भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

THE INDIAN EXPRESS DELHI 9 JULY 2025

House panel flags rising airfares, seeks timeline for A-I crash probe report

ASAD REHMAN
NEW DELHI, JULY 8

NEARLY A month after the Air India plane crash in Ahmedabad that killed over 260 people, a parliamentary committee on Tuesday discussed aircraft safety issues with senior officials from the Ministry of Civil Aviation and airline and airport representatives.

The committee members enquired about the expected timeline for the crash investigation report and the analysis of the aircraft's black boxes. Officials are learnt to have told the committee that they will need around two-week time to answer the questions asked during the meeting.

The deliberations were held during the meeting of the Public Accounts Committee, headed by Congress MP K C Venugopal. Top airline representatives, including Air India CEO and MD Campbell Wilson, were present. "These are ongoing discussions regarding tariffs, flight fares... The safety aspect was also discussed. All members are keen on asking questions on safety. This meeting will continue. Once they reply, we will meet again. Some of the questions on safety were answered by the DGCA [Directorate General of Civil Aviation]," Venugopal told reporters after the meeting.

"We discussed the fare increase... post-Pahalgam (flying from Srinagar) and during Kumbh ... The committee asked about clear-cut regulations on fares and on fair play," he said.

Air India CEO Campbell Wilson with NCP MP Praful Patel at the Parliament House for the PAC meeting on Tuesday. *ANI*

Former civil aviation minister and NCP MP Praful Patel, who is among the committee members, said the DGCA was well-equipped but needed more staff as it "has a shortage of top-level skilled people". "Many incidents in the last few weeks after the Ahmedabad air crash needed to be brought into focus. Safety is paramount. Anyone who flies wants to feel safe and assured that they will reach their destination... I am not singling out Air India. Few incidents here and there concerning some flights. When a crash happens, everything becomes sensitive and gets highlighted more," Patel said, speaking to the media after the meeting.

"So, I just pointed out to the DGCA and to the airline that they should take safety as paramount... Indian aviation is safe, and there is no need to panic. All protocols are followed... DGCA is well-equipped.. I have also highlighted that DGCA needs more people. They are facing a shortage of top-level, skilled people. A lot of retired senior people can be brought back for short tenures," he said.

Some committee members demanded an audit of the Bureau of Civil Aviation Security (BCAS).

Representatives of Civil Aviation Ministry, DGCA, Airports Economic Regulatory Authority of India, Airports Authority of India, AAI Cargo Logistics and Allied Services Company Ltd, BCAS, and other organisations briefed the committee on the levy and regulation of fees, tariffs, user charges etc on public infrastructure and other public utilities.

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

AMAR UJALA DELHI 9 JULY 2025

आईजीआई बना दुनिया का 9वां सबसे व्यस्त हवाईअड्डा

नई दिल्ली। दिल्ली का इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डा 2024 में दुनिया का 9वां सबसे व्यस्त हवाईअड्डा बन गया है। एयरपोर्ट्स काउंसिल इंटरनेशनल (एसीआई) की ओर से मंगलवार को जारी रिपोर्ट के अनुसार, दिल्ली एयरपोर्ट पिछले साल 7.78 करोड़ से अधिक लोगों ने यात्रा की, जिससे यह 2023 के मुकाबले एक पायदान ऊपर चढ़ गया।

एसीआई की सूची में अमेरिका का अटलांटा हवाईअड्डा 10.8 करोड़ यात्रियों के साथ पहले स्थान पर रहा। दूसरे और तीसरे स्थान पर दुबई एयरपोर्ट (9.23 करोड़ यात्री) और अमेरिका का डलास/फोर्ट वर्थ एयरपोर्ट (8.78 करोड़ यात्री) रहे।

रिपोर्ट के मुताबिक, 2024 में वैश्विक यात्री यातायात 9.4 अरब तक पहुंचा, जो 2023 से 8.4 प्रतिशत अधिक और कोविड-पूर्व स्तर (2019) से 2.7 प्रतिशत ज्यादा है। दिल्ली के अलावा, चीन का शंघाई पुडोंग एयरपोर्ट 11 पायदान चढ़कर 10वें स्थान पर पहुंच गया।

शीर्ष-10 में अन्य हवाईअड्डों में टोक्यो हनेडा (चौथे), लंदन हीथ्रो (पांचवें), डेनवर (छठे), इस्तांबुल (सातवें), शिकागो (आठवें) और शंघाई (10वें) शामिल हैं। एजेंसी

10.8 करोड़ यात्रियों के साथ अटलांटा हवाईअड्डा पहले स्थान पर

विमान आवाजाही में 15वें स्थान पर

विमान आवाजाही के मामले में दिल्ली एयरपोर्ट 15वें स्थान पर पहुंच गया, जबकि 2023 में यह 17वें स्थान पर था। 2024 में यहां 4,77,509 विमानों की आवाजाही दर्ज की गई। इस मामले में अटलांटा एयरपोर्ट 7,96,224 विमानों के साथ शीर्ष पर रहा। एसीआई ने कहा कि 2024 में विमानों की आवाजाही वैश्विक स्तर पर 10.6 करोड़ से अधिक हो गई। यह 2019 के स्तर का 96.8% है। इसमें साल-दर-साल 3.9 प्रतिशत का इजाफा हुआ है। एसीआई 170 देशों में 2,181 हवाई अड्डों का संचालन करने वाले 830 सदस्यों का प्रतिनिधित्व करता है। एसीआई वर्ल्ड के महानिदेशक जस्टिन एर्बासी ने कहा कि यह रैंकिंग वैश्विक विमानन के पैमाने और उद्योग की लचीलापन को दर्शाती है जो जटिल वैश्विक वातावरण के बावजूद लगातार बढ़ रही है।

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

DAINIK BHASKAR DELHI 9 JULY 2025

आईजीआई हवाई अड्डे पर 1.34 करोड़ रु. का सोना जब्त किया

भास्कर न्यूज | नई दिल्ली

आईजीआई हवाई अड्डे पर तैनात एयर कस्टम विभाग ने एक बार फिर सोने की तस्करी के बड़े मामले का पकड़ा है। शारजाह से आए एक भारतीय यात्री के पास से 1484.5 ग्राम सोना बरामद किया गया, जिसकी टैरिफ वैल्यू 1.34 करोड़ रुपये से अधिक आंकी गई है। कस्टम विभाग ने प्रोफाइलिंग के आधार पर यात्री को हिरासत में लिया और तलाशी के दौरान तस्करी का खुलासा हुआ। कस्टम अधिकारियों ने यात्री के बैग और व्यक्तिगत तलाशी के दौरान दो सफेद पाउच बरामद किए, जिनमें पीले रंग का पेस्ट था। इस पेस्ट की जांच में 2 आयताकार और 1 अनियमित आकार के सोने के बिस्किट निकाले गए। कुल 1484.5 ग्राम सोने की कीमत अंतरराष्ट्रीय बाजार में 1.34 करोड़ रुपये से अधिक है। यात्री से पूछताछ के दौरान सोना लेने वाले व्यक्ति का भी पता चला, जिसे कस्टम विभाग ने तुरंत हिरासत में लिया। दोनों के खिलाफ कस्टम अधिनियम, 1962 के तहत कार्रवाई शुरू कर दी गई है। कस्टम विभाग अब यह पता लगाने में जुटा है कि इस तस्करी के पीछे कोई बड़ा नेटवर्क तो नहीं है।

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA

Corporate Communications Directorate

DAINIK JAGRAN DELHI 9 JULY 2025

इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर 1.34 करोड़ रुपये का सोना जब्त

जासं, नई दिल्ली: इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट के टर्मिनल-3 पर कस्टम्स विभाग ने सोने की तस्करी के मामले में एक यात्री को पकड़ा है। आरोपित यात्री शारजाह से उड़ान संख्या जी9-465 से दिल्ली पहुंचा था। प्रोफाइलिंग के आधार पर कस्टम अधिकारियों ने यात्री के सामान और व्यक्तिगत तलाशी ली, जिसके दौरान सफेद रंग की दो प्लास्टिक की थैलियों में पीले रंग का पेस्ट बरामद हुआ, जिसे सोना पाया गया। पूछताछ के आधार पर, अधिकारियों ने सोने के एक रिसीवर को भी हिरासत में लिया। बरामद पेस्ट से दो आयताकार और एक अनियमित आकार के सोने के बार निकाले गए, जिनका वजन 1484.5 ग्राम है। इस सोने का कुल मूल्य करीब 1.34 करोड़ आंका गया है। कस्टम विभाग ने इस मामले में तस्करी का मामला दर्ज किया है।

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

DAINIK JAGRAN DELHI 9 JULY 2025

अमेरिकी एयरपोर्ट पर जांच को जूता उतारने की जरूरत नहीं

वाशिंगटन, एपी: अमेरिका में लगभग 20 वर्षों में पहली बार कुछ एयरपोर्ट पर सुरक्षा जांच के लिए यात्रियों को जूता उतारने की जरूरत नहीं पड़ेगी। आने वाले कुछ दिनों में यात्रियों को यह राहत मिल सकती है। अमेरिकी परिवहन सुरक्षा प्रशासन (टीएसए) इस अतिरिक्त जांच को खत्म करने पर विचार कर रहा है। अमेरिकी एयरपोर्ट से गुजरने वाले यात्रियों को इस जांच का सामना करना पड़ता है। मीडिया में आई खबरों के अनुसार, अगर इसे लागू किया जाता है तो लगभग 20 वर्ष पहले अपनाई गई सुरक्षा जांच की अनिवार्यता खत्म हो जाएगी।

यह नियम 2006 में उस घटना के कुछ वर्षों के बाद लागू किया गया था, जब 2001 में रिचर्ड रीड नामक व्यक्ति ने अपने जूतों में बम छिपाकर पेरिस से मियामी की उड़ान में ले जाने की नाकाम कोशिश की थी। एबीसी न्यूज ने टीएसए अधिकारियों को भेजे गए एक आंतरिक मेमो के हवाले से बताया कि इस रविवार से नए नियम के तहत कई अमेरिकी एयरपोर्ट पर जांच के दौरान यात्रियों को जूते पहने रखने की अनुमति होगी। हालांकि टीएसए का बयान नहीं आया है।

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

DAINIK JAGRAN KANPUR 8 JULY 2025

ज्यों-ज्यों मांगी उड़ानें, त्यों-त्यों कम होती चली गईं

जागरण संवाददाता, कानपुर: चकेरी हवाई अड्डे से अन्य शहरों के लिए और उड़ानें बढ़ाने की मांग लंबे समय से उठ रही है। अहमदाबाद, कोलकाता और दिल्ली की सुबह की उड़ान की मांग बराबर होती रही। इसी बीच शहरियों को बिग फ्लाई की मुरादाबाद की उड़ान जल्द मिलने की बात कही गई। लेकिन, हालत यह है कि ज्यों-ज्यों उड़ान बढ़ाने की मांग की गई, त्यों-त्यों इनमें और कटौती हो रही है। पहले दिल्ली की उड़ान हफ्ते में तीन दिन की गई और अब बेंगलुरु की उड़ान भी चार दिन ही रह गई है।

एयरफोर्स के अधीन बने चकेरी स्थित एयरपोर्ट से पहली हवाई यात्रा सेवा की शुरुआत वर्ष 1970 में हुई थी। यहां से पहली उड़ान दिल्ली के लिए चली थी। इसके बाद से अब तक कई बार उड़ाने चालू और बंद हुईं। औद्योगिक राजधानी कहे जाने वाले शहर से विभिन्न शहरों की हवाई यात्रा की सुविधा की मांग बढ़ी तो नया टर्मिनल बनाने का फैसला लिया गया। इससे शहरवासियों में हवाई सेवाओं का विस्तार होने की भी आस जगी। मई , 2023 में 150 करोड की लागत से अहिरवां में बने नए टर्मिनल भवन का लोकार्पण केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया और प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने किया। इसके बाद यहां से दिल्ली, मुंबई, बेंगलुरु की हवाई यात्रा की शुरुआत हुई। नया टर्मिनल बनने से लोगों को लगा कि अब विमानन कंपनियां कई अन्य शहरों के लिए भी हवाई यात्रा की सुविधा शुरू करेंगी। इसी बीच 2024 के पहले माह जनवरी में ही बेंगलुरू की उड़ान बंद कर दी गई। बाद में हैदराबाद की उड़ान शुरू की गई। अब यह उड़ान भी तीन दिन ही मिल रही है। एयरपोर्ट निदेशक संजय कुमार ने कहा कि विमानन कंपनी ने उड़ान में कटौती का कोई कारण नहीं बताया है।

कानपुर हवाई अड्डे का प्रवेश द्वार ● जागरण

उड़ानों की स्थिति

शहर	दिन
दिल्ली	बुधवार, शुक्रवार, रविवार
हैदराबाद	बुधवार, शुक्रवार, रविवार
मुंबई	प्रतिदिन
बेंगलुरु	सोमवार, मंगलवार गुरुवार शनिवार

बीते हफ्ते यात्री लोड की स्थिति

तारीख	आगमन	प्रस्थान	उड़ानों की संख्या
एक जुलाई	309	317	02
दो जुलाई	430	399	03
तीन जुलाई	347	286	02
चार जुलाई	421	349	03
पांच जुलाई	356	322	02
छह जुलाई	487	538	03
सात जुलाई	213	235	02

अक्टूबर से नया शेड्यूल लागू होने पर दिल्ली और बेंगलुरू की उड़ान सातों दिन नियमित हो जाएगी। इस बारे में उड्डयन मंत्री से बात हो चुकी है। 21 जुलाई से संसद का सत्र शुरू हो रहा है। संसद में यह मामला उठाएंगे।

रमेश अवस्थी, सांसद

लंबे समय से शहर से उडानें बढ़ाने की मांग हो रही है, लेकिन विमानन कंपनी और कम करती जा रही है। औद्योगिक शहर होने के कारण अभी चल रही सभी उड़ानों में पर्याप्त लोड है। फिर उड़ानों की संख्या घटाई जा रही है।

आलोक अग्रवाल, राष्ट्रीय वरिष्ट उपाध्यक्ष आइआइए

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

DAINIK NAVJYOTI JAIPUR 8 JULY 2025

तुर्की की कंपनी भारतीय एयरपोर्ट पर नहीं दे सकेगी सर्विस

सिक्योरिटी क्लियरेंस निरस्त करने के खिलाफ दायर याचिका खारिज

ब्यूरो/नवज्योति/नई दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट ने देश के एयरपोर्ट पर ग्राउंड हैंडलिंग का काम करने वाले तुर्की के कार्गो ऑपरेटर सेलेबी एयरपोर्ट सर्विसेज इंडिया प्राइवेट लिमिटेड का सिक्योरिटी क्लीयरेंस निरस्त करने के केंद्र सरकार के फैसले को चुनौती देने वाली याचिका खारिज कर दिया है। जस्टिस सचिन दत्ता की बेंच ने सेलेबी की याचिका खारिज करने का आदेश दिया। कोर्ट ने 13 मई को फैसला सुरक्षित रख लिया था। सुनवाई के दौरान सेलेबी की ओर से पेश वरिष्ठ वकील मुकुल रोहतगी ने कहा था कि सिक्योरिटी क्लीयरेंस निरस्त करते समय न तो उन्हें नोटिस दिया गया और न ही उनका पक्ष सुना गया। रोहतगी ने एयरक्राफ्ट सिक्योरिटी रूल्स के नियम 12 का हवाला देते हुए कहा था कि केंद्र सरकार ने नैसर्गिक न्याय के सिद्धांत का उल्लंघन किया है। इस नियम के तहत नागरिक विमानन महानिदेशक सिक्योरिटी क्लियरेंस को निलंबित करते हैं और संबंधित कंपनी का पक्ष सुनते हैं। अगर महानिदेशक को लगता है कि राष्ट्रीय सुरक्षा को खतरा है तो वो सिक्योरिटी क्लीयरेंस निरस्त कर सकते हैं।

देश की सुरक्षा को खतरा हो तो सभी का पक्ष सुनना मुमकिन नहीं

सेलेबी की याचिका का विरोध करते हुए केंद्र सरकार ने कहा था कि कंपनी का सिक्योरिटी क्लीयरेंस निरस्त करने का फैसला अप्रत्याशित परिस्थितियों में लिया गया था। केंद्र सरकार की ओर से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा था कि जब देश की सुरक्षा पर खतरा हो तो सरकार के लिए ये लगभग असंभव हो जाता है कि वो संबंधित कंपनी का पक्ष सुने। याचिकाकर्ता कंपनी सेलेबी को न्यायिक समीक्षा का अधिकार है। लेकिन जब देश की सुरक्षा का सवाल हो तो नैसर्गिक न्याय का पालन करना जरुरी नहीं है। ये विधायिका पर छोड़ देना चाहिए। मेहता ने कहा था कि एयरक्राफ्ट सिक्योरिटी रुल्स के नियम 12 का अधिकांशतरू पालन किया गया है। सेलेबी कंपनी के प्रतिवेदन पर सरकार ने विचार किया था और उसके बाद अगले दिन आदेश पारित किया गया था।

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

HINDUSTAN TIMES MUMBAI 8 JULY 2025

Navi Mumbai Airport set to begin ops in Sept

Surendra P Gangan
letters@hindustantimes.com

MUMBAI: The first phase of the Navi Mumbai International Airport is expected to be operational by September, Industries Minister Uday Samant informed the Legislative Assembly on Monday. While the original target for inauguration was the end of August, minor delays have pushed the launch to the following month.

"About 95% of the construction work is complete. The airport will begin operations within the next two months," Samant said, adding that initial services will commence with limited capacity. The second phase of the airport is expected to be rolled out a few months after the first becomes functional.

Samant was replying to a long-duration debate on investment in Maharashtra. He claimed that 87% of the Memorandums of Understanding (MoUs) signed by the state government with companies have been realised, the highest rate in the country.

"In the last three years, the Maharashtra government signed MoUs worth ₹1.80 lakh crore, ₹7 lakh crore, and ₹15.72 lakh crore. Of the 46 companies with whom MoUs have been inked, 15 have already been allotted land, and land will be allocated to seven more in the coming days. Twenty others will be given plots as per their request, and four industrial units are set to begin operations shortly," he said.

He further claimed Maharashtra has outpaced all other states in attracting foreign direct investment under the leadership of chief minister Devendra Fadnavis and deputy chief minister Eknath Shinde.

The minister also emphasised the government's focus on equitable industrial development across the state.

"Gadchiroli is emerging as a steel manufacturing hub with investments worth ₹1 lakh crore. Under the CM Employment Guarantee Scheme, more than 62,000 industrial units have been established—six times more than during the previous MVA government's tenure," he said.

Samant also said Maharashtra is among the top three states in implementing the Centre's Vishwakarma scheme for artisans and skilled tradespeople.

On a separate note, responding to questions about the financial health of the BMC, Samant said the civic body's liabilities stood at ₹2.32 lakh crore and had risen by 22% over the past year.

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate
HINDUSTAN TIMES MUMBAI 8 JULY 2025

{ PIETER ELBERS } CEO, INDIGO AIRLINES

'India needs bigger, better, smoother airports'

Neha LM Tripathi
letters@hindustantimes.com

NEW DELHI: As IndiGo launches long haul flights to the United Kingdom (Manchester) and Europe (Amsterdam), Pieter Elbers, chief executive officer (CEO) of India's largest airline, says in an interaction that the next step in the development of Indian aviation should be not adding new airports but having bigger, better and smoother ones. *Edited excerpts:*

How do you see the domestic market developing for IndiGo as you already have 65% market share? Don't you think some of the routes are already at saturation level?

I look at a key metric— seats per capita — and compare it with the US, Europe, or China. All of them have significantly higher numbers. Even China, despite its lower seats per capita, has four times more seats than India. Given that, and considering projections that the Indian market will double between 2023 and 2030, a compounded annual growth rate of 10-11% doesn't seem unrealistic. We've committed to doubling our fleet in the same period. Whether you look at seats per capita or GDP-related metrics, it all points in the same direction. Of course, we see seasonal fluctuations; for example, last May was muted due to heatwaves and elections. But I don't focus on monthly DGCA numbers; we are on a long-term mission. Past growth confirms the trend. So, the long-term outlook is robust. For us, market share is an outcome, not an objective.

What is your game plan in terms of addressing the Indian market?

We operate four types of services. We operate out of the metros. One could argue that our hub operations, connectivity and metros are a significant part of the GDP of the country and that is both metro-to-metro as well as metro-to-non metro. So that's one bucket: metro to metro. The second bucket is the metro to non-metro. I would say metro-to-metro (connectivity) probably there's already so many flights that growth will be somewhat slower than the average. Where we have seen a lot of growth is the metro to non-metro. The third one is non-metro to non-metro. So these are Tier-II/III cities and we'll connect them. And the fourth one is the regional connectivity scheme, which are these ATR connections. As a percentage, that's relatively limited, but in terms of giving wings to

the nation, connecting smaller communities is there, we'll continue to focus on these four areas going forward. And, I would say, the largest growth we have seen is from the metro to non-metro areas.

Do you see scope for further expanding your regional aircraft fleet?

Well, that's a constant process of evaluation. Today we have 46-47 ATRs out of the order of 50, so it's almost totally consumed. Some routes that used to be operated by ATRs have now matured and can operate with A320s, which frees up some ATRs to do other routes. There's a certain set of airports which are ATR-only, and we're evaluating what could be the next step. Again, I think the Indian landscape in terms of the number of airports is evolving. Today, IndiGo operates 91 domestic airports. We have added four recently and will add another four this year, taking it to 95. Today, 90% of the Indian population lives within 100 kilometres of an IndiGo-served airport. Of course, 100 kilometres in a hilly area isn't the same as between two metros, but the coverage is still quite good.

So I think the next step in Indian aviation development is not per se many more airports. It's perhaps bigger, better and smoother airports. So I think perhaps a lot of emphasis will be on increasing the capacity of existing airports.

With international expansion enabling both better connectivity for Indian consumers and progress towards India becoming a global aviation hub, what policy changes would you like to see from the government, such as improved visa regimes or incentives for stopovers on Indian carriers to support this ambition?

I would be hesitant about stopover regimes linked specifically to Indian carriers, as I wouldn't want reciprocal restrictions abroad. Aviation benefits from a level playing field and equal opportunity. I believe our product and costs enable us to compete with others. For India, the next step is improving transfer connection facilities.

IndiGo has been on a premiumisation journey — introducing Stretch class or the business class — for the past 7-8 months. How has been the response to the offering in terms of occupancy domestically?

I wouldn't call it a premiumisation journey, because that would suggest our entire product portfolio is moving in that direction and that's not what we're doing.

We have a foundation with 130 destinations, 500 domestic routes, and 100 international. On top of that, we introduced the Stretch product on a selective number of routes. Unlike some US airlines that introduced premium products across the network, we have kept it limited. For us, it's about catering to a select group of Indian consumers aspiring for that product, and preparing for long-haul operations. The response is dynamic. Some days loads are very good, others are low. Customers aren't yet sure if a flight will have Stretch or not. The Indian market is extremely price-sensitive, with many bookings coming at the last moment.

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

JANSATTA DELHI 9 JULY 2025

दिल्ली नौवां सबसे व्यस्त हवाई अड्डा

दिल्ली हवाई अड्डा वर्ष 2024 में 7.7 करोड़ से अधिक यात्रियों को संभालने के साथ दुनिया का नौवां सबसे व्यस्त हवाई अड्डा रहा। एक रपट में यह जानकारी दी गई है। 'एअरपोर्ट काउंसिल इंटरनेशनल' (एसीआइ) की दुनिया के 20 सबसे व्यस्त हवाई अड्डों की सूची में अमेरिका का अटलांटा हवाई अड्डा 10,80,67,766 यात्रियों की आवाजाही के साथ शीर्ष पर रहा। इसके बाद दुबई हवाई अड्डा (9,23,31,506 यात्री) दूसरे स्थान पर और अमेरिका का डलास/फोर्ट वर्थ हवाई अड्डा (8,78,17,864 यात्री) तीसरे स्थान पर हैं।

मंगलवार को जारी एक बयान के मुताबिक, साल 2024 में वैश्विक यात्री यातायात 9.4 अरब यात्रियों की आवाजाही के साथ एक नए उच्चस्तर पर पहुंच गया। यह आंकड़ा 2023 से 8.4 फीसद और महामारी-पूर्व (2019) के स्तर से 2.7 फीसद अधिक है। सूची में शामिल शीर्ष 20 हवाई अड्डों पर पिछले साल हवाई यात्रा करने वाले कुल 1.54 अरब यात्रियों की आवाजाही रही, जो वैश्विक यातायात का 16 फीसद है।

पिछले साल दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे ने 7.78 करोड़ यात्रियों को संभाला, जिससे इसकी रैंकिंग सुधरकर नौवें स्थान पर आ गई, जबकि 2023 में यह 10वें स्थान पर था। यह आंकड़ा विमान में सवार और विमान से उतरने वाले कुल यात्रियों की संख्या पर आधारित है, जबकि ठहराव स्थल के तौर पर ट्रांजिट यात्रियों की गिनती एक बार की गई है। एसीआइ ने कहा कि इस सूची में अमेरिका के सर्वाधिक छह हवाई अड्डे शामिल हैं।

रपट

'एअरपोर्ट काउंसिल इंटरनेशनल' (एसीआइ) की दुनिया के 20 सबसे व्यस्त हवाई अड्डों की सूची में अमेरिका का अटलांटा हवाई अड्डा 10,80,67,766 यात्रियों की आवाजाही के साथ शीर्ष पर रहा। इसके बाद दुबई हवाई अड्डा (9,23,31,506 यात्री) दूसरे स्थान पर और अमेरिका का डलास/फोर्ट वर्थ हवाई अड्डा (8,78,17,864 यात्री) तीसरे स्थान पर हैं।

सूची के शीर्ष 10 हवाई अड्डों में जापान का हानेडा (चौथे), लंदन का हीथ्रो (पांचवें), अमेरिका का डेनवर (छठे), तुर्किये का इस्तांबुल (सातवें), अमेरिका का शिकागो (आठवें) और चीन का शंघाई (10वें) भी शामिल है। एसीआइ 170 देशों में कुल 2,181 हवाई अड्डों का संचालन करने वाले 830 सदस्यों का प्रतिनिधित्व करता है। (ए)

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

PIONEER DELHI 9 JULY 2025

आईजीआई पर 1.34 करोड़ रुपये का सोना जब्त

नई दिल्ली। इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय (आईजीआई) हवाई अड्डे पर एक व्यक्ति के पास से 1.34 करोड़ रुपये मूल्य का सोना जब्त किया गया है। सीमा शुल्क विभाग ने मंगलवार को यह जानकारी दी। विभाग ने कहा कि आरोपी भारतीय है और संयुक्त अरब अमीरात के शारजाह से तीन जुलाई को आने पर उसे रोका गया।

सीमा शुल्क विभाग ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि यात्री के सामान की विस्तृत जांच और तलाशी लेने पर प्लास्टिक की दो थैलियां बरामद हुईं, जिनमें पीले रंग का पेस्ट मिला। इसमें कहा गया कि पेस्ट में 1,484.5 ग्राम वजन के सोने के तीन बिस्कुट मिले। इन छड़ों की कुल कीमत 1,34,87,395 रुपये है। सीमा शुल्क विभाग ने बताया कि यात्री के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है। उन्होंने बताया कि उससे पूछताछ के आधार पर एक अन्य व्यक्ति को भी पकड़ा गया जिसे यह सोना दिया जाने वाला था।

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

PUNJAB KESARI DELHI 9 JULY 2025

दुनिया का 9वां सबसे व्यस्त हवाई अड्डा बना आईजीआई एयरपोर्ट

नई दिल्ली, (पंजाब केसरी) : भारत की राजधानी दिल्ली स्थित इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा (आईजीआई एयरपोर्ट) ने एक बार फिर देश का नाम वैश्विक स्तर पर रोशन किया है। वर्ष 2024 में 7.78 करोड़ यात्रियों की आवाजाही दर्ज करते हुए दिल्ली एयरपोर्ट दुनिया का 9वां सबसे व्यस्त हवाई अड्डा बन गया है। यह जानकारी एयरपोर्ट काउंसिल इंटरनेशनल (एसीआई) द्वारा जारी ताजा रिपोर्ट में सामने आई है।

इस रिपोर्ट के मुताबिक, दिल्ली एयरपोर्ट ने 2023 के मुकाबले एक पायदान की छलांग लगाई है। पिछले साल यह दुनिया के सबसे व्यस्त एयरपोर्ट्स की सूची में 10वें स्थान पर था, जबकि इस बार यह 9वें स्थान पर पहुंच गया है। यह आंकड़ा विमान में सवार और उतरने वाले यात्रियों की कुल संख्या पर आधारित है। ट्रांजिट यात्रियों को केवल एक बार गिना गया है।

साल 2024 में 7.78 करोड़ यात्रियों ने की आवाजाही

एसीआई की रिपोर्ट में बताया गया कि दुनिया का सबसे व्यस्त हवाई अड्डा अमेरिका का अटलांटा हवाई अड्डा रहा, जहां साल 2024 में 10.80 करोड़ से अधिक यात्रियों की आवाजाही हुई। इसके बाद दुबई एयरपोर्ट (9.23 करोड़ यात्री) दूसरे स्थान पर और अमेरिका का ही डलास फोर्ट वर्थ एयरपोर्ट (8.78 करोड़ यात्री) तीसरे स्थान पर रहा। एसीआई के अनुसार, 2024 में वैश्विक हवाई यात्री यातायात 9.4 अरब के आंकड़े तक पहुंच गया, जो 2023 की तुलना में 8.4 प्रतिशत अधिक और कोविड महामारी-पूर्व यानी 2019 के मुकाबले 2.7 प्रतिशत ज्यादा है। सूची में शामिल 20 सबसे व्यस्त हवाई अड्डों पर कुल 1.54 अरब यात्रियों की आवाजाही दर्ज हुई, जो वैश्विक यातायात का 16 प्रतिशत है। इस सूची में अमेरिका के सर्वाधिक छह हवाई अड्डे शामिल हैं, जो वैश्विक हवाई यातायात में अमेरिका की प्रमुख भागीदारी को दर्शाते हैं। वहीं दिल्ली एयरपोर्ट का इस सूची में शामिल होना और लगातार अपनी रैंकिंग में सुधार करना भारत के बढ़ते वैश्विक कनेक्टिविटी और बुनियादी ढांचे की मजबूती का प्रमाण है।

दिल्ली एयरपोर्ट की यह उपलब्धि सिर्फ आंकड़ों की बात नहीं है, बल्कि यह देश की उड़ान, पर्यटन, व्यापार और अंतरराष्ट्रीय संबंधों की मजबूती का संकेत भी देती है। विशेषज्ञों के अनुसार, इस तरह की रैंकिंग भारत को अंतरराष्ट्रीय निवेश और एयरलाइन विस्तार की दृष्टि से आकर्षक बनाती है।

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA

Corporate Communications Directorate

RASHTRIYA SAHARA DELHI 9 JULY 2025

दिल्ली हवाई अड्डे से 1.34 करोड़ का सोना जब्त

नई दिल्ली। इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय (आईजीआई) हवाई अड्डे पर एक व्यक्ति के पास से 1.34 करोड़ रुपये मूल्य का सोना जब्त किया गया है। सीमा शुल्क विभाग ने मंगलवार को यह जानकारी दी। विभाग ने कहा कि आरोपी भारतीय है और संयुक्त अरब अमीरात के शारजाह से तीन जुलाई को आने पर उसे रोका गया। सीमा शुल्क विभाग ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि यात्री के सामान की विस्तृत जांच और तलाशी लेने पर प्लास्टिक की दो थैलियां बरामद हुई, जिनमें पीले रंग का पेस्ट मिला।

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

RASHTRIYA SAHARA DELHI 9 JULY 2025

दिल्ली का हवाईअड्डा दुनिया का नौवां सबसे व्यस्त एयरपोर्ट

■ दुनिया के टॉप-20 व्यस्त एयरपोर्ट में अटलांटा अव्वल ■ दुबई का हवाईअड्डा दूसरे व डलास का तीसरे नंबर पर

नई दिल्ली (भाषा)।

दिल्ली हवाईअड्डा वर्ष 2024 में 7.7 करोड़ से अधिक यात्रियों को संभालने के साथ दुनिया का नौवां सबसे व्यस्त हवाई अड्डा रहा। एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई है।

'एयरपोर्ट काउंसिल इंटरनेशनल' (एसीआई) की दुनिया के 20 सबसे व्यस्त हवाईअड्डों की सूची में अमेरिका का अटलांटा हवाई अड्डा 10,80,67,766 यात्रियों की आवाजाही के साथ शीर्ष पर रहा। इसके बाद दुबई हवाई अड्डा (9,23,31,506 यात्री) दूसरे स्थान पर और अमेरिका का डलास/फोर्ट वर्थ हवाई अड्डा (8,78,17,864 यात्री) तीसरे स्थान पर हैं।

मंगलवार को जारी एक बयान के मुताबिक वर्ष 2024 में वैश्विक यात्री यातायात 9.4 अरब यात्रियों की आवाजाही के साथ एक नए उच्चस्तर पर पहुंच गया। यह आंकड़ा 2023 से 8.4 प्रतिशत और महामारी-पूर्व (2019) के स्तर से 2.7 प्रतिशत अधिक है।' सूची में

शामिल शीर्ष 20 हवाईअड्डों पर पिछले साल हवाई यात्रा करने वाले कुल 1.54 अरब यात्रियों की आवाजाही रही, जो वैश्विक यातायात का 16 प्रतिशत है।

पिछले साल दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे ने 7.78 करोड़ यात्रियों को संभाला, जिससे इसकी रैंकिंग सुधरकर नौवें स्थान पर आ गई, जबकि 2023 में यह 10वें स्थान पर था। यह आंकड़ा विमान में सवार और विमान से उतरने वाले कुल यात्रियों की संख्या पर आधारित है, जबकि ठहराव स्थल के तौर पर ट्रांजिट यात्रियों की गिनती एक बार की गई है।

एसीआई ने कहा कि इस सूची में अमेरिका के सर्वाधिक छह हवाई अड्डे शामिल हैं। सूची के शीर्ष 10 हवाई अड्डों में जापान का हानेडा (चौथे), लंदन का हीथ्रो (पांचवें), अमेरिका का डेनवर (छठे), तुर्किये का इस्तांबुल (सातवें), अमेरिका का शिकॉगो (आठवें) और चीन का शंघाई (10वें) भी शामिल है।

एसीआई 170 देशों में कुल 2,181 हवाई अड्डों का संचालन करने वाले 830 सदस्यों का प्रतिनिधित्व करता है।

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate
THE TIMES OF INDIA DELHI 9 JULY 2025

Cities & Airports: Too Close For Comfort

A study puts eight Indian airports among the world's top 50 most enclosed by urban sprawls. Mumbai tops the list, while Ahmedabad — which saw one of India's worst aviation disasters last month — ranks 12th

Soumya.Arya@timesofindia.com

New Laxminagar in Ahmedabad's Meghaninagar area is a colony for the urban poor, with 600 flats packed into 11 blocks. The terrace of Block F offers a chilling perspective on how close its 2,000-odd residents were from where AI's flight 171 exploded into a fireball moments after take-off on June 12: just 250 metres. Also dangerously close is the Civil Hospital campus and a sea of settlements.

"It could have been us," says Ila, a Laxminagar resident, pointing to the charred hostel and mess buildings on the BJ Medical College campus. Her eyes shift left, to an aircraft taking off from the runway, just over 2km away. As it thunders past Block F, the 50-year-old shudders. A few lanes away, Rajesh Dantani (55), who runs a small grocery store near the Gujarat Housing Board colony, points to the spot behind his shop where the plane crashed — it's a stone's throw.

Like Ila and him, tens of thousands of people on the periphery of Ahmedabad airport live in the shadow of danger, as highlighted by a 2022 study, 'You're Surrounded! Measuring the Enclosure of Airports in Urban Areas', by Belgian researchers Taïs Grippa & Frédéric Dobruszkes. Published in The Professional Geographer, the study maps how 'enclosed' the world's important airports are within urban centres of various densities.

Urban Enclosures

Each airport is a specific case, based on — among other factors — air traffic volumes, fleets, runway use, airport procedures, climb profiles and weather. The index, calculated within a 15km radius, puts eight Indian airports in the top 50. Mumbai's Chhatrapati Shivaji Maharaj International Airport, with an enclosure index of 21,82,819, leads the global list covering 245 airports.

The enclosure index measures how densely populated an airport's surroundings are, with people living closer to the airport weighted more heavily, since aviation impacts like noise and pollution decrease with distance. Ahmedabad, which witnessed the worst aviation disaster in Indian history, is ranked 12th globally with an enclosure index of 10,82,503. This heightens the threat to lives on ground, even if a plane dropping from the sky is rare.

"Unusually, on that day, this flight failed to maintain its glide angle over Block F," says Ila. "Which is why, probably, people of this colony and the several thousands more living in hundreds of societies around the airport periphery escaped death, personal tragedies and loss of property."

Safety Standards

Subhash Kumar, former general manager (fire service & fire training) at Airports Authority of India (AAI) and chairman of the Indian Aviation Fire Safety Specialist Group (IAFSSG), states in his analysis that the crash site spanned 200m.

"Enforcement of a 3km buffer around airports has been lax in Ahmedabad due to rapid urban expansion," his report highlights, adding, "The proximity of residential buildings to the flight path amplified ground casualties and complicated emergency response."

The disaster prompted the ministry of urban development to order a review of zoning violations, which could have potential implications for other Indian airports.

Guidelines for airport development specify different rules for new airports and for expansion of existing ones. For the new airports, a buffer area of 6-8sq km — where residential construction is not permitted — is recommended. For existing airports, it is recommended for city planners to disallow residential areas, hospitals and schools from being laid out within a certain area of the aerodrome.

The Urban and Regional Development Plans Formulation and Implementation (URDPFI) guidelines, which most urban plans refer to as a basis for allocating land use, based on population and consequent infrastructure demands, recommend a buffer zone of 20km radius around an airport. This zone must have very low development, and not contain things like wildlife sanctuaries/ zoos/bird sanctuaries.

'Escaping' Enclosures

India's cities are growing at an unpredictable rate. Ahmedabad and Pune are expanding rapidly, while Surat and Ghaziabad are among the fastest growing in the world.

Utpal Sharma, chair professor at Nirma University's Institute of Architecture and Planning, who has worked extensively on housing policies and urban design guidelines, says many airports — such as the ones in Mumbai, Ahmedabad and Delhi — were built on the outskirts, long before the urban sprawl around them grew. "We did not anticipate this growth," he says.

While it is too late to move things around existing airports, cities like Mumbai and Delhi are shifting new air operations outside their limits. Ahmedabad, too, is considering a move to Dholera, offering planners a chance to guide development appropriately. P L Sharma, a city planning expert, says maintaining a 20-40km green buffer around existing airports is "impossible" and riddled with enforcement challenges.

Dipak Patel, president, CREDAI-Gujarat, feels the question of illegal constructions does not arise. "No building can come up near airports without AAI's permission", he says, adding builders must get permissions from local authorities anyway.

The Funnel Formula

The 'airport funnel' is a designated corridor that aircraft follow during take-offs and landings, and forms a critical component of air safety that must remain clear of all obstructions. "If these funnels are 'punctured' by objects (such as buildings or other constructions), they may pose a threat to aircraft during landing or take-off," explains P L Sharma, adding that the funnel area extends up to 22km. This regulatory provision has been in place for over 30 years and is enforced by the civil aviation department.

According to him, in Surat (39th in enclosure index rankings), there were around 20 buildings puncturing the funnel in 2016. "They are still there. In Bhavnagar, there is no mechanism to measure the airport reference point to know which building is puncturing the funnel," he says. Authorities don't think about disasters, so they control the flight path with height restrictions — the minimum thing to do under development pressure, according to experts.

P L Sharma says sparse development and changes in land use are part of the solution. "In Vadodara, the surrounding zone was converted into an industrial area," he says.

"Currently, buildings around the upcoming airport in Panvel have been granted a height of over 150m," says Mumbai architect Laxmi Bhagwat. "This forces us to think — were the rules laid earlier incorrect, or whether amendments made to them have failed to accommodate a larger picture."

This is particularly important, as India envisions 50 new airports for enhanced connectivity, economic expansion and ease of living. "Hence, safety around airports must be given importance, especially when most air disasters take place during take-offs and landings," adds Bhagwat, calling for involvement of urban planning experts and architects, along with aviation experts, in drafting development policies.

As population density grows, and with the wave of redevelopment, residents of Mumbai's Vile Parle are seeking increase in permissible heights over and above the prescribed height by civil aviation authorities due to lack of awareness of the impacts of living around an airport.

Preventing Disasters

So, will we go back to being complacent? Will the Ahmedabad disaster and the risk to lives on the ground be forgotten?

"We tolerate until things come down," says Utpal. "Some large cities are still thinking small when they need hard measures. What we are doing instead is trying to control things by regularising haphazard development. City planners shy away from raising issues before govt, and offering options."

Gujarat has been planning a greenfield airport at Dholera, which will become the new Ahmedabad airport. "But that will take time, and hence the current airport is being expanded," says P L Sharma.

But Amitabh Pawde, a former AAI engineer who was posted in Ahmedabad and Guwahati, among other airports, says air safety cannot be assured in piecemeal expansion. "This is not how international airports are developed. Every aspect should be factored in, including future growth and projections, and land acquisition for parallel runways. All this is not possible at Ahmedabad airport. The only alternative is to shift it," says Pawde.

He also underlines a very critical factor to air safety: how hot a city is. "Where the temperature is high, the air becomes rare, making maintaining thrust difficult for an aircraft when taking off."

Metropolitan Solution

But an aviation industry source says it's impossible to have airports without population around them. Even if they are built away from the city, a satellite population will develop. "Air accidents are one in a million," he says, requesting anonymity. "This study's model will not be of help in urban planning. There always needs to be a compromise between connectivity and people on the ground."

Another stark reality is that a large part of such populations is poor. A prime example of that is Mumbai's Jarimari slums, sprawling adjacent to both airport terminals. "Low-cost house owners are unaware of the risk they are living under," says P L Sharma. "You can't expect them to be aware of the rules on planned development, when their real need is a roof above their head."

If disaster strikes, compensation does not cover long-term impact on lives. "Rehabilitating themselves and resuming livelihoods become processes for such groups, especially if the physical competencies of injured survivors have been affected," says a civic official.

Planning should happen at the metropolitan region level, not just at the municipal level, says Utpal. The 74th Constitutional Amendment mandates Metropolitan Planning Committees (MPCs) for regions with populations over 10 lakh to prepare development plans.

Maintaining a 20-40km green buffer around airports is riddled with enforcement challenges. While it is too late to move things around existing airports, cities like Mumbai and Delhi are shifting new air operations outside their limits

Cities like Mumbai, Bengaluru, Chennai, Delhi and Hyderabad have already defined such regional boundaries.

With growing urban populations, coordinated planning becomes essential. For example, new airports are often built far from city centres and paired with convention centres, hotels and real estate to ensure financial viability — as seen in Delhi's Aerocity. While it may be impossible to keep people away from these hubs, planned development can prevent unregulated sprawl.

(Inputs from Parag Dave)

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate
THE TIMES OF INDIA DELHI 9 JULY 2025

'Delhi airport ninth busiest in the world'

TIMES NEWS NETWORK

New Delhi: Indira Gandhi International Airport was ranked the ninth busiest airport in the world in 2024, according to the latest Airports Council International (ACI) report. In 2023, it was at the tenth position.

With nearly 7.8 crore passengers, the Delhi airport left behind airports in Los Angeles, Paris, and New York in the list of the top 20 busiest airports globally. It saw a 7.8% rise in passengers in 2024 compared to 2023 and a 13.6% increase compared to 2019. According to the report, global passenger traffic hit a new high in 2024, surpassing 9.4 billion travellers—up 8.4% from 2023 and 2.7% above pre-pandemic levels (2019). The top 20 airports alone processed over 1.5 billion passengers, capturing 16% of global traffic.

Atlanta Airport in the US was the world's busiest airport, processing 10,80,67,766 passengers in 2024. Dubai International Airport stood second with 9,23,31,506 passengers, followed by Dallas/Fort Worth Airport in the US, which recorded over 8,78,17,864 crore passengers. Los Angeles International Airport, which was ranked the eighth busiest airport in 2023, occupied the eleventh position in 2024.

"The United States contributed six airports to the top 20, mostly dominated by domestic traffic—except for JFK Airport, where international passengers made up 56%. However, Shanghai Pudong (PVG) climbed 11 positions to rank 10th globally," said ACI.

The Delhi airport offers seamless connectivity to 153 destinations — 81 domestic and 72 international. Even major airlines are expanding their network to facilitate the growing number of passengers.

Delhi International Airport Limited, which operates the airport, earlier said that infrastructure, passenger-centric facilities and efficient transfer processes played a pivotal role in the airport's success. Under its phase 3A expansion project, DIAL doubled the international-to-international transfer area, enhancing capacity and passenger convenience.

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA

Corporate Communications Directorate

THE TIMES OF INDIA AHMEDABAD 8 JULY 2025

Swarm of bees disrupts operations at Surat airport

Settle On Aircraft's Cargo Compartment Door

Yagnesh.Mehta
@timesofindia.com

Surat: In a bizarre incident reminiscent of the 2014 airplane-buffalo collision at Surat airport, a swarm of bees caused a disruption to flight operations on Monday. The event led to panic among passengers already aboard the aircraft, prompting swift action from airport workers, who were dealing with such a situation for the first time.

The Surat-Jaipur Indigo flight was delayed by about 50 minutes from its scheduled departure time of 4.40pm. The delay was caused by a swarm of bees that had clustered on one side of the cargo compartment shutter of the aircraft. No passengers or workers were injured during the incident.

TOI

The bees on the aircraft at Surat airport on Monday

The bees swarmed on the open shutter of the aircraft's cargo compartment, covering one side entirely. Passengers captured this sight on their mobile phones, and the airline and airport staff were promptly alerted.

"We informed the airport's fire team, and they said this was their first such encounter. They used a jet of water from a fire tender to remove the bees from the door, successfully clearing the area," an airport official said.

The origin of the bee swarm remains unclear, as there are no known bee colonies or hives on the airport premises. "Our teams, along with security experts, conducted a thorough inspection of the airport in March ahead of a VIP movement, and no bee colonies were found at that time," the official added.

The bees were first noticed by staff loading luggage and passengers on the flight, who alerted others.

"We are unsure where the bees came from or why they gathered on the aircraft. This was a unique case for the airline as well," an airline official said.

In Nov 2014, a SpiceJet aircraft collided with a buffalo while taking off, resulting in significant damage and affecting flight operations at the city airport for months. In subsequent years, incidents involving birds and animals continued, with 28 such occurrences in 2019-20.

The presence of numerous shrimp farms on private and govt land near the airport attracts birds, and there have also been reports of dogs and foxes entering the airport premises.

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

THE TIMES OF INDIA BANGALORE 8 JULY 2025

At Surat airport, a swarm of bees delays IndiGo flight

Yagnesh.Mehta
@timesofindia.com

Surat: A swarm of bees that decided to cluster on a Surat-Jaipur IndiGo flight, scheduled to depart at 4.40pm on Monday, delayed it by at least 50 minutes on Monday.

The airline staff loading luggage on the flight first noticed the bees buzzing together on one side of the aircraft's cargo compartment shutter, and quickly alerted the airline and airport staff.

"We informed the airport's fire team. They used a jet of water from a fire tender to remove the bees from the open shutter," an airport official said. Even for the fire team this was their first such encounter, the official said. No passenger or worker was injured in the incident. Many passengers, already aboard the flight, captured on their phones the sight of bees swarming on the cargo compartment shutter, covering one side entirely.

Airport's fire team used a jet of water to remove the bees

"We are unsure where the bees came from," an airline official said. There are no known beehives on the airport premises, he said, adding, "Our teams, along with security experts, conducted a thorough inspection of the airport in March ahead of a VIP movement. No beehive was found at that time."

In Nov 2014, a SpiceJet aircraft had collided with a buffalo during take-off at the airport. In subsequent years, incidents involving birds and animals continued, with 28 such occurrences in 2019-20.

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

THE TIMES OF INDIA CHENNAI 8 JULY 2025

Swarm of bees delays flight at Surat airport

Yagnesh.Mehta
@timesofindia.com

Surat: A swarm of bees that decided to cluster on a Surat-Jaipur IndiGo flight, scheduled to depart at 4.40pm on Monday, delayed it by at least 50 minutes on Monday.

The airline staff loading luggage on the flight first noticed the bees buzzing together on one side of the aircraft's cargo compartment shutter, and quickly alerted the airline and airport staff.

"We informed the airport's fire team. They used a jet of water from a fire tender to remove the bees from the open shutter," an airport official said. Even for the fire team this was their first such encounter, the official said. No passenger or worker was injured in the incident.

50-MINUTE DELAY: No passenger or worker was injured in the incident

Many passengers, already aboard the flight, captured on their phones the sight of bees swarming on the cargo compartment shutter.

"We are unsure where the bees came from," an airline official said. There are no known beehives on the airport premises, he said, adding, "Our teams, along with security experts, conducted a thorough inspection of the airport in March. No beehive was found at that time."

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

AMAR UJALA DELHI 9 JULY 2025

विमान हादसा : ब्लैक बॉक्स का डाटा मिला, प्राथमिक रिपोर्ट सौंपी

अमर उजाला ब्यूरो

नई दिल्ली। विमान दुर्घटना जांच ब्यूरो (एएआईबी) ने अहमदाबाद एअर इंडिया विमान हादसे की अंतरिम जांच रिपोर्ट नागरिक उड्डयन मंत्रालय को सौंप दी है। मंत्रालय ने बताया कि यह रिपोर्ट शुरुआती तथ्यों पर आधारित है। इसे अभी सार्वजनिक नहीं किया गया है। हादसे की अंतिम जांच रिपोर्ट तीन महीने में आ सकती है।

मंत्रालय ने बताया कि विमान के आगे के ब्लैक बॉक्स से क्रैश प्रोटेक्शन मॉड्यूल (सीपीएम) को सुरक्षित रूप से निकाल लिया गया था। 25 जून को इसका डाटा एएआईबी लैब में डाउनलोड किया गया। दूसरे ब्लैक बॉक्स जिसे गोल्डन चेसिस कहा जाता है, उससे डाटा की सटीकता की पुष्टि भी की गई। एक ब्लैक बॉक्स इमारत की छत से और दूसरा मलबे से मिला था।

फाइल फोटो

एएआईबी तीन महीने में देगा अंतिम रिपोर्ट

- पहले ब्लैक बॉक्स का डाटा डिकोड करने के लिए ब्रिटेन, अमेरिका, फ्रांस, इटली, कनाडा या फिर रूस भेजा जाता था।
- अब दिल्ली में एएआईबी लैब में ही डिकोड होता है डाटा।

ये कर रहे जांच : एएआईबी अधिकारियों के अलावा वायुसेना, हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लि. और अमेरिका के एनटीएसबी के सदस्य जांच में शामिल हैं। बोइंग और जीई के अधिकारी भी मदद कर रहे हैं।

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

AMAR UJALA DELHI 9 JULY 2025

सांसदों ने सुरक्षा पर उठाए सवाल...एअर इंडिया ने कहा-ड्रीमलाइनर सबसे सुरक्षित

संसदीय समिति से कंपनी ने कहा, दुनियाभर में 1,100 ड्रीमलाइनर विमान भर रहे उड़ान

अमर उजाला ब्यूरो

नई दिल्ली। संसद की लोकलेखा समिति की मंगलवार को हुई बैठक में अहमदाबाद विमान हादसे का मुद्दा उठा और सांसदों ने हवाई सुरक्षा पर चिंता जताई। कांग्रेस सांसद केसी वेणुगोपाल के नेतृत्व में समिति के कुछ सदस्यों ने परिचालन सुरक्षा से संबंधित घटनाओं का हवाला देते हुए नागरिक उड्डयन सुरक्षा ब्यूरो की ऑडिट की मांग की और पूछा कि अहमदाबाद हादसे की जांच रिपोर्ट कब तक तैयार होगी। सूत्रों ने बताया कि एअर इंडिया के अधिकारियों ने सांसदों को बताया कि लंदन जाते समय अहमदाबाद में दुर्घटनाग्रस्त हुआ बोइंग ड्रीमलाइनर विमान दुनिया के सबसे सुरक्षित विमानों में से एक है। अधिकारियों ने यह भी बताया कि विभिन्न देशों में 1,100 से अधिक ड्रीमलाइनर इस्तेमाल किए जा रहे हैं।

बैठक के बाद वेणुगोपाल ने संवाददाताओं को बताया कि समिति के सभी सदस्य सुरक्षा मुद्दों को लेकर चिंतित थे। एनसीपी सांसद प्रफुल्ल पटेल ने कहा कि दुर्घटना के बाद कई घटनाएं सामने आईं और हर यात्री चाहता है कि उसकी यात्रा सुरक्षित रूप से पूरी हो। पटेल ने कहा, यात्रियों को घबराने की कोई जरूरत नहीं है क्योंकि एअर इंडिया सहित सभी एयरलाइंस सुरक्षा प्रोटोकॉल का पालन कर रही हैं। पटेल ने यह भी कहा कि डीजीसीए में और अधिक लोगों की जरूरत है क्योंकि उन्हें शीर्ष स्तर के कुशल कर्मचारियों की कमी का सामना करना पड़ रहा है।

12 जून को दुर्घटनाग्रस्त हुआ था ड्रीमलाइनर

बारह जून को 240 से अधिक लोगों को ले जा रहा एयर इंडिया का बोइंग 787 ड्रीमलाइनर विमान अहमदाबाद हवाई अड्डे से उड़ान भरने के कुछ ही देर बाद दुर्घटनाग्रस्त हो गया था, जिसमें एक व्यक्ति को छोड़कर सभी की मौत हो गई थी। यह सबसे भीषण विमान दुर्घटनाओं में से एक थी, जिसने हवाई सुरक्षा के मुद्दे को चर्चा के केंद्र में ला दिया है।

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

AMAR UJALA DELHI 9 JULY 2025

हवाई किराये में वृद्धि रोकने को विकसित करेंगे तंत्र : डीजीसीए

नई दिल्ली। नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने भरोसा दिलाया है कि वह हवाई किराये में भारी वृद्धि रोकने के लिए एक तंत्र लागू करेगा। डीजीसीए ने संसद की लोकलेखा समिति की मंगलवार को हुई बैठक में यह आश्वासन दिया। समिति के सूत्रों के अनुसार, बैठक में सदस्यों ने हवाई टिकटों की कीमतों में मनमानी वृद्धि के बारे में सवाल उठाए और पहलगाम आतंकी हमले के बाद श्रीनगर से और प्रयागराज में महाकुंभ के दौरान प्रयागराज और आसपास के हवाईअड्डों से उड़ान भरने वाले विमानों के किराये में कई गुना वृद्धि सहित कई उदाहरणों का हवाला दिया। इस पर एक अधिकारी ने कहा कि डीजीसीए इसके खिलाफ एक तंत्र विकसित करने के लिए आम सहमति बनाने के लिए एयरलाइनों से बात करेगा। एक भाजपा सांसद ने डीजीसीए के इस रुख पर नाराजगी जताते हुए कहा कि क्या आम सहमति के अभाव में यह अनुचित व्यवहार जारी रहेगा? पूर्व नागरिक उड्डयन मंत्री और समिति के सदस्य प्रफुल्ल पटेल ने कहा कि मूल्य वृद्धि के बारे में सांसदों की चिंता जायज है। उन्होंने कहा कि यह डीजीसीए और मंत्रालय के अधिकार क्षेत्र में आता है और उन्हें टिकट की कीमतों को उचित स्तर पर बनाए रखने के लिए मौजूदा प्रावधानों को लागू करना चाहिए। ब्यूरो

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

BUSINESS LINE DELHI 9 JULY 2025

MPs express concern over air safety, seek BCAS audit, say sources

Rohit Vaid
New Delhi

A parliamentary panel on Tuesday expressed concerns over air safety after the tragic crash of an Air India aircraft in Ahmedabad last month. The meeting, which was originally scheduled to discuss levy of charges at airports, witnessed intense discussions about the Air India crash incident, sources told *businessline*.

On Tuesday, Members of Parliament at the Public Accounts Committee (PAC) meeting, chaired by Congress' KC Venugopal, asked pointed questions about the safety of air operations.

Besides, the MPs, sources said, sought an audit by the Bureau of Civil Aviation Security (BCAS).

According to sources, the meeting was attended by top government officials, besides representatives of the airline industry, including

Air India CEO Wilson Campbell.

On their part, the MPs sought clarity on the timeframe for the analysis of the aircraft's black box, which will provide in-depth insights into what led to the crash.

STATUS REPORT

As of now, the investigation into the tragic Ahmedabad air crash is led by the Director General of the Aircraft Accident Investigation Bureau (AAIB), the designated authority for such investigations. Further, Boeing, GE, and others are assisting in the probe, sources said.

In a status report on the recovery and examination of data from the black boxes, the Ministry of Civil Aviation said the analysis of cockpit voice recorders and flight data recorders data is underway.

Additionally, the MPs sought details on the selection criteria of the crash probe committee and asked "whether any foreign aviation experts had been consulted or had volunteered to assist in the investigation".

Recently, India granted observer status to the International Civil Aviation Organization in the investigation into the crash.

The investigation team, constituted as per international protocol, is led by DG AAIB GVG Yugandhar and includes an aviation medicine specialist, an ATC officer, and representatives from the US National Transportation Safety Board (NTSB).

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

BUSINESS STANDARD DELHI 9 JULY 2025

Audit entire aircraft fleet of all carriers: House panel to DGCA

ARCHIS MOHAN
New Delhi, 8 July

A parliamentary panel on Tuesday asked the aviation regulator Directorate General of Civil Aviation (DGCA) to conduct a safety audit of the entire fleet of domestic airlines, put in place a mechanism to check the erratic surge in air fares, especially after incidents such as the Pahalgam terror attack, and bring about uniformity in user charges levied by airports.

The DGCA, in turn, told the committee that it will put in place a mechanism to curb the surge in air ticket prices.

Parliament's Public Accounts Committee (PAC) met key aviation stakeholders like secretary, ministry of civil aviation, representatives of the DGCA and Airports Authority of India on the subject "levy and regulation of fees, tariffs, user charges on public infrastructure and other public utilities." The meeting focused on three issues, namely user fee, surge in air fares and safety. On the surge in air fares, an official said the DGCA will be talking to airlines to have a consensus on developing a mechanism and putting guidelines in place, sources said.

What PAC said

- PAC asked DGCA to set up proper mechanisms for air safety
- Termed DGCA's audit of Air India's Boeing 787 Dreamliner fleet after Ahmedabad crash 'insufficient'
- Suggested bringing out uniformity in user charges through set formula

At the meeting, members urged the DGCA to carry out a comprehensive safety review of all passenger aircrafts of domestic airlines, and termed insufficient the audit only of Air India's Boeing 787 Dreamliner fleet that the DGCA carried out post the June 12 crash of its Ahmedabad-London flight in which 241 people were killed.

The panel members flagged user charges being passed over to passengers, the disparity in user charges being levied on domestic and international passengers, and the variation between user charges that the AAI levies versus those levied by airports that are managed by the private players, sources said.

Congress MP K C Venugopal-led PAC also asked when the inquiry report of the Ahmedabad air crash was likely to be submitted. Air India Chief Executive Officer (CEO) and Managing Director Campbell Wilson told the committee his airline will complete retrofitting of its fleet by 2027, sources said.

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA

Corporate Communications Directorate

BUSINESS STANDARD DELHI 9 JULY 2025

Three nationalisations

There are lessons from how governments over the years have dealt with SBI, LIC and Air India

RAISINA HILL

A K BHATTACHARYA

About seven decades ago, the Indian government under Prime Minister Jawaharlal Nehru nationalised three major entities. One of them — State Bank of India (SBI) — is celebrating the 70th anniversary of its reincarnation this month. The second — Life Insurance Corporation (LIC) — will mark 70 years of nationalisation in 2026. And the third should have celebrated its 70th anniversary of nationalisation two years ago, but could not do so as it was privatised just a year before turning 70 as a nationalised outfit. This was Air India.

The trajectory of these three enterprises that embarked on their individual journeys over the last seven decades tells the story of how Indian governments over the years have looked at the ownership pattern of economic entities — and what could determine the future of their ownership pattern. A close examination of the key factors at play would be instructive.

A common factor uniting the three entities is that they all belonged to the services sector. One was providing aviation services and the other two were providing financial services — offering banking and life insurance facilities to customers. They were all touching the lives of people in ways many heavy industries or manufacturing companies would not. The government's approach to their ownership was perhaps influenced by that realisation. Interestingly, Nehru's nationalisation was largely focused on taking over businesses operating in the services sector, in contrast to his daughter Indira Gandhi, who nationalised not just banks and general insurance companies, but also companies in the industrial or mining sector, like textiles and coal.

Looking back, the strategy behind nationalising the Imperial Bank of India and renaming it SBI seems to have paid off. Over the past seven decades, SBI has grown stronger, retaining its status as the country's largest commercial bank. From a national point of view, SBI has also played a major role in helping the government of the day to manage many crises and achieve its governance goals.

These included SBI meeting the credit needs during the India-China war in 1962 through a special scheme; shipping 20 tonnes of confiscated gold to a Swiss bank to help India procure $240 million in May 1991; raising $1.6 billion under the India development bonds scheme later that year to bail the country out of its precarious balance of payments situation; and launching the Resurgent India Bond scheme in 1998 to raise $4.2 billion from non-resident Indians to bolster the government's foreign exchange reserves.

It also took the lead in promoting the government's financial inclusion plan by opening Jan Dhan accounts, the largest among all banks. And when the government launched the controversial electoral bond scheme in 2018, which permitted anonymous donations to political parties, it was once again SBI that was authorised to operate it till the country's apex court declared it unconstitutional in 2024.

Yet, questions have been raised about the governance structure of SBI. Should the government, as its majority shareholder, continue to play a key role in appointing its top management, including the chief executive, or should it allow the regulator, the Reserve Bank of India, to treat it like any other private-sector bank and decide on its leadership? This has been a bone of contention once in a while between the regulator and the government.

With over 57 per cent of its equity being owned by the government and the rest widely held by the public, SBI, has never been a candidate for privatisation or even further disinvestment. The country's top bank is treated as a strategic asset and all governments have believed in retaining its status as a public sector entity. There is little doubt that SBI's ownership pattern will remain unchanged, even though the debate over the nature of regulatory oversight and procedures for appointing its top management is likely to continue.

LIC, India's largest life insurance company, will complete 70 years as a nationalised entity in January 2026. In 1956, the Nehru government promulgated an ordinance to nationalise as many as 245 Indian and foreign insurers operating in the life insurance sector and merge them into a single entity — LIC. The government justified the decision on the grounds that there was widespread corruption in the sector and life insurance services to the people were adversely affected.

In a quiet operation, C D Deshmukh, the finance minister at that time, chose to address the nation on All India Radio to announce the government's decision to nationalise the life insurance industry and create LIC. For about 37 years, LIC enjoyed a monopoly over life insurance services in India, until other private sector players were allowed into the market in 1993. But LIC has continued to retain its number one status in the life insurance sector over the past 32 years.

In 2022, the government decided to list LIC on the bourses and shed a 3.5 per cent stake through a public offer. It has authorisation to sell up to 20 per cent of its stake to foreign investors, but less than half a per cent of that limit has been used so far. Over the next few years, the government has the flexibility to reduce its stake from 96.5 per cent to over 50 per cent. But given the current lukewarm approach to disinvestment and the government's resources position, such stake dilution is unlikely.

LIC is a profitable company and its current share in the first-year life insurance premium income in the country is over 57 per cent. The combined first-year premium income business of all private-sector life insurance providers is smaller than that of LIC. But, as in the case of SBI, governments over the years have used LIC to undertake operations at their behest — whether to support a falling market or to acquire stakes in companies to ward off a takeover threat. In the years ahead, therefore, the government may reduce its stake in phases from the current level, but it will continue to be a majority owner of LIC.

The case of Air India, which was set up by the Tatas in 1932, is completely different. After the Nehru government decided to nationalise both the civil aviation industry and Air India, the airline expanded its international operations. However, its financial performance was poor and got worse after the aviation industry was thrown open to private players in 1994. In 2007, the government merged Indian Airlines, another state-owned aviation company operating domestic services, with Air India. But the losses kept mounting and after several unsuccessful attempts, the government finally managed to privatise Air India in 2022. Air India's journey since the Tatas bought it back has been rocky. The government has every reason to feel relieved that it no longer has to use taxpayers' money to finance the losses of a state-owned enterprise.

The nationalisation story of these three entities has one clear message. If an entity is to be retained under state ownership, the government must ensure it remains profitable, does not become a drain on the exchequer's resources, and plays a strategic role in the government's overall plans for economic development. Enterprises that do not fulfil these conditions have no reason to continue to operate as public sector units. This was broadly the spirit of the government's public sector policy enunciated in 2021. The lessons from these three nationalisations once again underline the need for pursuing that policy.

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate
BUSINESS STANDARD DELHI 9 JULY 2025

'सभी विमानों की सुरक्षा जांच की जाए'

अर्चिस मोहन

एक संसदीय पैनल ने मंगलवार को नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) से कहा कि वह घरेलू विमानन कंपनियों के समूचे विमान बेड़ों की व्यापक सुरक्षा जांच कराए, हवाई किराए में इजाफे को नियंत्रित करने की प्रणाली बनाए, खासकर पहलगाम आतंकी हमले के बाद जिस तरह किराए बढ़े थे उसे देखते हुए। इसके अलावा हवाई अड्डों द्वारा लगाए जाने वाले यूजर शुल्क में एकरूपता लाने की बात भी कही गई।

संसद की लोक लेखा समिति (पीएसी) की मंगलवार को हुई बैठक के एजेंडे में नागरिक उड्डयन मंत्रालय के सचिव, डीजीसीए, भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण, हवाई अड्डा संचालकों, नागर विमानन क्षेत्र के संगठनों और विमानन कंपनियों के प्रतिनिधियों से 'सार्वजनिक अधो-संरचना एवं अन्य सार्वजनिक उप-योगिताओं पर शुल्क, टैरिफ, उपयोग शुल्क आदि लगाने और विनियमन' आदि विषयों पर मौखिक साक्ष्य लेना शामिल था। बैठक में तीन मुद्दों पर ध्यान केंद्रित किया गया। ये थे- उपयोगकर्ता शुल्क, हवाई किराए में बढ़ोत्तरी और सुरक्षा।

बैठक में सदस्यों ने डीजीसीए से कहा कि वह हवाई सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए जरूरी उपाय करे। समिति ने डीजीसीए से कहा कि वह घरेलू विमानन कंपनियों के सभी यात्री विमानों की व्यापक सुरक्षा जांच कराए। उसने 12 जून को अहमदबाद-लंदन उड़ान के हादसे में 241 लोगों के मारे जाने के बाद एयर इंडिया के बोइंग 787 ड्रीमलाइनर बेड़े की जांच को अपर्याप्त करार दिया।

समिति के सदस्यों ने उपयोगकर्ता शुल्क को यात्रियों से वसूले जाने, घरेलू और अंतरराष्ट्रीय यात्रियों के लिए शुल्क में अंतर और भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण तथा निजी कंपनियों द्वारा संचालित हवाई अड्डों पर वसूल किए जाने वाले शुल्क में अंतर को भी रेखांकित किया। देश में जीएमआर और अदाणी एयरपोर्ट होल्डिंग लिमिटेड जैसी कंपनियां भी हवाई अड्डे संभालती हैं। उन्होंने यह भी सुझाव दिया कि उपयोगकर्ता शुल्क में एकरूपता होनी चाहिए और इनकी समीक्षा करके एक फॉर्मूला तय करना चाहिए ताकि ऐसे शुल्क तय किए जा सकें।

समिति के सदस्यों ने डीजीसीए से उत्तर प्रदेश में आयोजित महाकुंभ के समय विमान किरायों में इजाफे को लेकर भी सवाल किए लेकिन सबसे प्रमुख था गत अप्रैल में पहलगाम आतंकी हमलों के बाद श्रीनगर से आने वाली उड़ानों के भारी भरकम किराए का मुद्दा। विमानन नियामक डीजीसीए ने समिति को बताया कि वह इन किरायों में वृद्धि को नियंत्रित करने के लिए उपाय करेगा।

- सदस्यों ने डीजीसीए से कहा कि वह हवाई सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए जरूरी उपाय करे
- समिति ने डीजीसीए से कहा कि वह घरेलू विमानन कंपनियों के सभी यात्री विमानों की व्यापक सुरक्षा जांच कराए

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

DAINIK BHASKAR DELHI 9 JULY 2025

नकेल • संसदीय समिति की बैठक में नागरिक उड्डयन सुरक्षा ब्यूरो के विशेष ऑडिट की मांग

हवाई किराये और सुरक्षा पर सवाल; एअर इंडिया ने कहा- ड्रीमलाइनर सबसे सेफ, 1 हजार उड़ रहे

भास्कर न्यूज | नई दिल्ली

एअर इंडिया उड़ान के अहमदाबाद में हुए हादसे और पहलगाम आतंकी हमले के बाद हवाई किराए में अचानक बढ़ोतरी को लेकर संसद की लोक लेखा समिति (पीएसी) ने गंभीर चिंता जताई। मंगलवार को हुई यह बैठक मूल रूप से एयरपोर्ट पर लगने वाले शुल्कों पर चर्चा के लिए बुलाई गई थी, लेकिन हादसे के चलते यह एक तनावपूर्ण सत्र में बदल गई। सूत्रों के मुताबिक, कई सांसदों ने हवाई किराये में मनमानी बढ़ोतरी को तय मानकों के खिलाफ बताया। बैठक में एअर इंडिया हादसे की जांच, ब्लैक बॉक्स डेटा, विदेशी विशेषज्ञों की मदद और किराया नियंत्रण जैसे कई मुद्दों पर चर्चा हुई। समिति ने नागरिक उड्डयन सुरक्षा ब्यूरो (बीसीएएस) के विशेष ऑडिट की भी मांग की। वहीं, एअर इंडिया ने कहा कि ड्रीमलाइनर दुनिया के सबसे सुरक्षित विमानों में से एक है। इस समय दुनियाभर में 1000 से ज्यादा ड्रीमलाइनर विमान उड़ान भर रहे हैं।

पहलगाम हमले के बाद किराया न बढ़ाने के लिए एडवाइजरी जारी हुई थी, सांसदों ने पूछा- इसका कितना पालन हुआ, उल्लंघन पर क्या किया

पहलगाम हमले के बाद श्रीनगर से दिल्ली, मुंबई और अन्य शहरों के लिए हवाई किराए में अचानक भारी बढ़ोतरी देखी गई। डीजीसीए ने इस पर एडवाइजरी जारी की थी, जिसमें किराया न बढ़ाने व कैंसिलेशन चार्ज माफ करने को कहा गया था। सांसदों ने पूछा- इस एडवाइजरी का कितना पालन हुआ और क्या उल्लंघन पर कोई कार्रवाई हुई?

- समिति ने यह भी कहा कि विमानों के सुरक्षा मानकों की निगरानी और पालन में खामियां हैं, जिन्हें सुधारने की जरूरत है। समिति ने मंत्रालय से इस पर विस्तृत रिपोर्ट मांगी है।
- सांसदों ने पूछा कि हादसे की जांच कब तक पूरी होगी? क्या रिपोर्ट सार्वजनिक होगी?
- बैठक में मंत्रालय के वरिष्ठ अफसरों, प्रमुख एयरलाइंस के प्रतिनिधियों से जवाब तलब।

विमान हादसे की प्रारंभिक जांच रिपोर्ट मंत्रालय को सौंपी; एयरक्राफ्ट एक्सीडेंट इन्वेस्टिगेशन ब्यूरो ने अहमदाबाद विमान हादसे की प्रारंभिक जांच रिपोर्ट नागरिक उड्डयन मंत्रालय को सौंप दी है। यह शुरुआती जांच निष्कर्षों पर आधारित है। वहीं, पहली बार देश में ब्लैक बॉक्स का डेटा सफलतापूर्वक डिकोड हुआ है।

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

DAINIK BHASKAR DELHI 9 JULY 2025

फ्लाइट की उड़ान में पड़ा खलल

सूरत से जयपुर आ रही फ्लाइट पर मधुमक्खियों ने किया हमला

- सामान की लोडिंग अटकी
- एक घंटे देरी से भरी उड़ान
- यात्री होते रहे परेशान
- तेज पानी के प्रेशर से उड़ीं

जयपुर| सूरत एयरपोर्ट पर सोमवार शाम 4:20 बजे इंडिगो की फ्लाइट 6ई-7267 जयपुर रवाना होने वाली थी, तभी मधुमक्खियों के झुंड ने धावा बोला। फ्लाइट टेकऑफ करने वाली थी, लेकिन मधुमक्खियां फ्लाइट के लगेज वाले गेट पर बैठ गईं। इससे लगेज की लोडिंग अटक गई। हालांकि सभी यात्री फ्लाइट में सीटों पर बैठ चुके थे। भगाने के लिए पहले धुआं किया गया, लेकिन इससे नहीं हटीं। फिर दमकलकर्मियों ने पानी की बौछारों से भगाने की कोशिश की, जो सफल रहा। इसके बाद शाम 5:26 बजे फ्लाइट ने सुरक्षित टेकऑफ किया।

पायलट ने छोड़ा विमान, कहा- ड्यूटी पूरी हुई

दिल्ली में खराब मौसम की वजह से दो फ्लाइट्स को जयपुर डायवर्ट कर दिया गया। एयर इंडिया की रियाद से दिल्ली जा रही फ्लाइट एआई-926 देर रात साढ़े बारह बजे जयपुर एयरपोर्ट के टर्मिनल-1 पहुंची। करीब 2 घंटे बाद ही पायलट्स ने विमान छोड़ दिया। फ्लाइट्स ड्यूटी टाइम लिमिटेशन्स नियमों का हवाला देते हुए कहा- ड्यूटी आवर्स पूरे हो गए। उधर, यात्रियों का आरोप है कि एअर इंडिया के स्टाफ का व्यवहार ठीक नहीं था। उनकी आगे कनेक्टिंग फ्लाइट भी छूट गई।

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

DAINIK BHASKAR DELHI 9 JULY 2025

दूरदृष्टि • नीति-निर्माताओं को इस पर सोचना होगा

हम भारतीय एक विश्वस्तरीय एयरलाइन डिजर्व करते हैं

एविएशन

चेतन भगत
अंग्रेजी के उपन्यासकार
chetan.bhagat@gmail.com

ताज होटल जाने वाले किसी भी व्यक्ति से उनके अनुभव के बारे में पूछें। चाहे वे वहां चाय पीने गए हों या रहने के लिए, उनके पास उस अनुभव की सकारात्मक यादें ही होंगी। केरल, मुंबई, लखनऊ या न्यूयॉर्क के किसी भी ताज होटल में जाएं। गर्मी हो या सर्दी, दिन हो या रात, यह हमेशा शानदार होता है। होटल समूह के पास 'ताजनेस' नामक अवधारणा भी है, जो किसी ताज प्रॉपर्टी पर अनुभव होने वाली अनूठी भावना को प्रदर्शित करती है। ऐसे में यह विडंबनापूर्ण लगता है कि जो टाटा समूह ताज होटलों का संचालन करता है, वही दुनिया की सबसे खराब रेटिंग वाली एयरलाइनों में से एक एअर इंडिया का भी मालिक है।

अतीत में कई लोग सार्वजनिक रूप से एअर इंडिया की आलोचना करने से बचते थे। देशभक्ति का पहलू भी था, क्योंकि एअर इंडिया को राष्ट्रीय ध्वजवाहक के रूप में देखा जाता है। फिर भी सवाल तो पूछा ही जा सकता है कि भारत कोई विश्वस्तरीय एयरलाइन क्यों नहीं बना सकता? यह तो समझ आता है कि टाटा ने एअर इंडिया को हाल ही में खरीदा है। कुछ साल पहले तक यह एक घाटे में चल रही कंपनी थी। टाटा ने एअर इंडिया का अधिग्रहण करके उसे विस्तारा के साथ मिला दिया, जो कि दुनिया में अपनी पहचान बनाने की राह पर बढ़ रही एक शानदार छोटी एयरलाइन थी। लोगों को उम्मीद थी कि एअर इंडिया अब विस्तारा में बदल जाएगी। इसके बजाय, हुआ उल्टा। ऐसा लगता है कि एअर इंडिया ने विस्तारा को निगल लिया है।

इस बीच, एअर इंडिया के गुणवत्ता-मानकों में गिरावट जारी है। गंदे और पुराने विमानों, टूटे एयर कंडीशनर और तकनीकी समस्याओं के कारण फ्लाइट के वापस लौटने की खबरें आती रहती हैं। अहमदाबाद-लंदन उड़ान में हुई भयानक दुर्घटना का तो जिक्र ही क्या करें। तो आखिर क्या कारण है कि धरती पर पहले दर्जे का हॉस्पिटैलिटी बिजनेस चलाने वाले टाटा आसमान में विफल साबित हो जाते हैं?

इसके कई कारण हैं। हमारी विमानन नीतियां ही ऐसी हैं कि लगभग हर अच्छी चीज अंततः खत्म हो जाती है या काम नहीं करती। विभिन्न कारणों से किंगफिशर, जेट, विस्तारा- सभी विलीन हो गए। वे सभी उच्च-गुणवत्ता वाला अनुभव देने की आकांक्षा रखते थे। भारतीय एविएशन में एकमात्र विनर इंडिगो है, जो एक कुशल एयरलाइन है। अलबत्ता इंडिगो में मिलने वाली उपमा और सैंडविच खाकर आप किसी ऐसे स्कूली बच्चे जैसा महसूस करने लगते हैं, जिसका टिफिन उसकी बेपरवाह मां द्वारा तैयार किया गया हो।

हमें एक विश्वस्तरीय एयरलाइन की जरूरत है और हम उसे डिजर्व करते हैं। एक बढ़िया एयरलाइन देश की बेहतरीन ब्रांडिंग करती है। चाहे निवेशक हों, व्यवसायी हों या पर्यटक- किसी देश का फ्लैग-कैरियर उसके बारे में सबसे पहले बताता है। सिंगापुर एयरलाइंस, एमिरेट्स और कतर एयरवेज जैसी एयरलाइनों ने अपने गृह-देशों के लिए कमाल का काम किया है।

एक विश्वस्तरीय एयरलाइन के लिए क्या जरूरी है?

एक बढ़िया एयरलाइन देश की बेहतरीन ब्रांडिंग करती है। चाहे निवेशक हों, व्यवसायी हों या पर्यटक- किसी देश का फ्लैग-कैरियर उसके बारे में सबसे पहले बताता है। सिंगापुर एयरलाइंस, एमिरेट्स और कतर एयरवेज को ही देख लें।

सबसे पहले तो साफ-सफाई और सुंदरता। और उससे भी बढ़कर सुरक्षा, क्योंकि एक अच्छे सुरक्षा-रिकॉर्ड के बिना आपको विश्वस्तरीय एयरलाइन नहीं माना जा सकता है। फिर नम्बर आता है अच्छी कनेक्टिविटी, समय की पाबंदी और ट्रांसिट्स का। लगभग सभी अच्छी एयरलाइनों के पास अच्छे ट्रांसिट-हब हवाई अड्डे हैं। हवाई अड्डे, नियामक और एयरलाइनें यात्रियों के लिए एक सहज अनुभव प्रदान करने के लिए मिलकर काम करते हैं। जबकि भारत में प्रमुख हवाई अड्डों पर भी आपको पता नहीं होता कि कब भीड़भाड़ हो जाएगी, कब आपको एयरोब्रिज नहीं मिलेगा और कब आप घंटों तक फंसे रहेंगे।

अगर हम विश्वस्तरीय एयरलाइन बनाने के बारे में गंभीर हैं, तो हवाई अड्डों और नीति निर्माताओं को हमारी एयरलाइनों का समर्थन करना होगा।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

DAINIK BHASKAR DELHI 9 JULY 2025

एअर इंडिया से टक्कर, अंतरराष्ट्रीय मार्गों पर नॉनस्टॉप फ्लाइट शुरू कर रही इंडिगो

भास्कर न्यूज | नई दिल्ली

इंडिगो ने वैश्विक विस्तार के लिए बड़ा कदम उठाया है। कंपनी ने हाल ही में ब्रिटेन और यूरोप के लिए वाइड-बॉडी एयरक्राफ्ट के साथ फ्लाइट शुरू की हैं। यह न सिर्फ इंडिगो की रणनीति में, बल्कि देश की पूरी एयरलाइन इंडस्ट्री में बड़ा बदलाव है। अब तक एअर इंडिया ही एकमात्र ऐसी भारतीय एयरलाइन थी जो अंतरराष्ट्रीय मार्गों पर नॉनस्टॉप फ्लाइट सर्विस ऑपरेट करती थी।

इंडिगो के सह-संस्थापक राहुल भाटिया और सीईओ पीटर एल्बर्स ने बीते ढाई साल में इस दिशा में स्पष्ट रणनीति बनाई है। एल्बर्स ने कहा कि कंपनी 2030 तक ग्लोबल एयरलाइन बनने की योजना में आधे रास्ते पर है। इंडिगो ने मुंबई से एम्स्टर्डम और मैनचेस्टर के लिए उड़ानें शुरू की हैं। इस साल के अंत तक तीन और बोइंग 787 जोड़ने की योजना है। इसके अलावा, एयरलाइन अपने सिंगल-ऑयल एयरबस ए321 एक्सएलआर की डिलीवरी की भी उम्मीद कर रही है। इनके जरिये एथेंस, दिल्ली-बाली और लंबी दूरी के अन्य दक्षिण-पूर्व एशियाई गंतव्यों तक फ्लाइट शुरू की जा सकेगी। इंडिगो ने लंबी अवधि के लक्ष्यों के लिए 30 एयरबस ए350 का ऑर्डर दिया है। इनकी डिलीवरी 2027 से शुरू होगी।

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

DAINIK JAGRAN DELHI 9 JULY 2025

उड्डयन मंत्रालय को सौंपी विमान हादसे की रिपोर्ट

- अहमदाबाद में एअर इंडिया-171 के दुर्घटनाग्रस्त होने से 250 की हुई थी मौत
- हादसे की जांच के प्रारंभिक निष्कर्षों पर आधारित है यह एएआइबी की रिपोर्ट

नई दिल्ली, एएनआइ : विमान दुर्घटना जांच ब्यूरो (एएआइबी) ने अहमदाबाद में एअर इंडिया-171 विमान दुर्घटना पर नागरिक उड्डयन मंत्रालय और संबंधित अधिकारियों को प्रारंभिक रिपोर्ट सौंप दी है।

सूत्रों के अनुसार, यह रिपोर्ट विमान दुर्घटना की जांच के प्रारंभिक निष्कर्षों पर आधारित है। 12 जून को हुए इस हादसे में 250 से अधिक लोग मारे गए थे। नागरिक उड्डयन मंत्रालय के अनुसार, फ्रंट ब्लैक बाक्स से क्रैश प्रोटेक्शन माड्यूल (सीपीएम) को सुरक्षित रूप से निकाल लिया गया था और 25 जून को मेमोरी माड्यूल को सफलतापूर्वक एक्सेस किया गया। इसका डाटा एएआइबी लैब में डाउनलोड किया गया था।

इस प्रक्रिया से परिचित सूत्रों ने बताया कि फ्रंट ब्लैक बाक्स के समान ही एक अन्य ब्लैक बाक्स (जिसे "गोल्डन चेसिस" कहा जाता है) का उपयोग इस बात की पुष्टि करने के लिए किया गया था कि क्या ब्लैक बाक्स से डाटा को सही तरीके से दोबारा प्राप्त किया जा सकता है। बता दें, एक ब्लैक बाक्स 13 जून को एक इमारत की छत से और दूसरा 16 जून को मलबे से बरामद किया गया था।

बहरहाल, विमान हादसे की जांच का नेतृत्व एएआइबी के महानिदेशक कर रहे हैं और इसमें भारतीय वायुसेना, हिंदुस्तान एयरोनाटिक्स लिमिटेड व अमेरिका के राष्ट्रीय परिवहन सुरक्षा बोर्ड के तकनीकी सदस्य शामिल हैं। जांच दल में एक विमानन चिकित्सा विशेषज्ञ और एक एअर ट्रैफिक कंट्रोल अधिकारी को भी शामिल किया गया है। सूत्रों ने पुष्टि की है कि एनटीएसबी की टीम वर्तमान में दिल्ली में है और एएआइबी लैब में भारतीय अधिकारियों के साथ मिलकर काम कर रही है। तकनीकी प्रक्रिया में सहायता के लिए बोइंग और जीई के अधिकारी भी हैं। संबंधित >> पेज 11

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

THE ECONOMIC TIMES DELHI 9 JULY 2025

IndiGo expected to convert purchase rights for 40 A350 aircraft into firm order: Airbus exec

'IndiGo Likely to Firm Up Orders for More A350s'

Forum Gandhi

Mumbai: IndiGo is expected to convert its purchase rights for 40 Airbus A350 family aircraft into a firm order, said a senior executive at the French plane maker.

IndiGo, India's largest carrier, had in April last year placed a firm order for 30 A350-900 aircraft and secured an option for an additional 70 A350 aircraft. Of this, last month, it converted 30 into a firm order, increasing its total confirmed A350 order book to 60 planes.

"They actually will order more aircraft. More likely would, because they secured that right, because they believe they will need those aircraft. And so, the (Indian) market is such that it's easy to appreciate that there is a need for much more advanced aircraft," Benoit de Saint-Exupery, executive vice-president sales of the commercial aircraft business at Airbus, told ET.

He did not say when IndiGo is expected to place the order.

A spokesperson for IndiGo, run by InterGlobe Aviation, did not respond to email queries. IndiGo's A350-900 planes, first ordered in 2024, will start arriving from mid-2027. The A350 is a long-range aircraft used by global airlines. It comes in two types — the A350-900 and the larger A350-1000. The aircraft can carry 300 to 410 passengers and can fly up to 18,000 km, or 15 to 18 hours nonstop.

It is not yet clear whether IndiGo's future A350 orders will be for the A350-900 or the larger A350-1000. So far, Air India is the only homegrown carrier to order the A350-1000, which will feature a four-class layout including first class.

In June 2023, IndiGo placed the largest ever single aircraft order by any airline for 500 aircraft with Airbus. With that, the airline's outstanding orderbook for A320 family aircraft reached nearly 1,000 aircraft which are slated for delivery by the next decade. It comprises a mix of A320NEO, A321NEO and A321XLR aircraft. IndiGo currently has orders for 1,400 aircraft, including the 30 A350s it ordered in June this year. Out of this, more than 455 planes have already been delivered to IndiGo.

The A350-900 is listed at $308.1 million, while the A350-1000 is priced at $355.7 million, according to London-based aircraft broker AXON Aviation Group. Both Airbus and Boeing stopped publishing official aircraft prices in 2018 and 2019, respectively. Final aircraft prices vary for each airline and are usually negotiated privately. Airbus has orders for 1,391 A350 aircraft as of May 31 and has delivered 648 of the total, according to its website.

Airbus also sees a role for its smaller A220 planes in India's regional routes, said Remi Maillard, president of Airbus India & South Asia.

Airbus has orders for 1,391 A350 aircraft as of May 31 and has delivered 648 of the total, according to its website

He said India's young population, strong economy, and strategic location between the Middle East, Southeast Asia and Europe makes it well-placed to drive aviation growth.

Separately, Airbus, which is currently sourcing up to $1.4 billion worth of aerospace parts annually from India, aims to increase it by $600 million "well before the end of this decade," said Maillard.

On sectors where Airbus sees potential to further grow its business in India, he said, "Defence, space, helicopters, commercial aviation, and the services related to all these.... India is the fastest growing market, not only for commercial aviation, but for helicopters."

Flying High

IndiGo

Total confirmed A350 order book: **60 aircraft**

IndiGo's A350-900 planes ordered in **2024** will start arriving from **mid-2027**

Total aircraft order: 1,400
(Includes 30 A350s it ordered in June)

A350-900 listed at about **$308.1 million**, while the **A350-1000** is priced at **$355.7 million**

Source: Axon Aviation Group

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA

Corporate Communications Directorate

THE ECONOMIC TIMES DELHI 9 JULY 2025

REGULATOR UNDER FIRE

Will Devise Means to Curb Airfare Surge: DGCA Tells Parl Panel

Regulator may fix a price ceiling on certain routes during festive seasons

Jatin Takkar

New Delhi: The Directorate General of Civil Aviation (DGCA) on Tuesday informed a parliamentary panel that it is working on a mechanism to curb sharp increases in airfares during times of high demand and may fix a price ceiling on certain routes during periods like festive seasons.

Top officials from the civil aviation ministry and senior executives from airlines appeared before Parliament's Public Accounts Committee, where its members raised concerns about the pricing and flight safety. Some MPs also demanded an audit of the Bureau of Civil Aviation Security.

Sources said the Aircraft Accident Investigation Bureau has not yet submitted its report on the Air India plane crash in Ahmedabad on June 12 that killed 274 people including 241 of the 242 on board the Boeing 787 Dreamliner. The analysis is still ongoing and the bureau is within the 30-day period to submit the report, they said.

Civil aviation secretary Samir Sinha, DGCA chief Faiz Ahmed Kidwai, Air India chief executive Campbell Wilson as well as top executives of Indigo, SpiceJet and Akasa appeared before the Parliament committee chaired by Congress MP KC Venugopal.

Wilson told the parliamentary panel that Air India will complete retrofitting of its fleet in two years to address frequent complaints about its seats and other facilities, and underscored the airline's commitment to flight safety, sources said.

Discussing the Air India flight crash in Ahmedabad, several members of the committee demanded an audit of the Bureau of Civil Aviation Security. They also cited a spate of other incidents concerning operational safety and wanted to know from the bureau when its report on the Air India plane crash would be ready.

In the meeting, it was also informed that safety audits of Boeing 787 Dreamliners operated by various lines have been completed, sources said.

Talking to reporters after the meeting, former civil aviation minister Praful Patel, a member of the committee, suggested the DGCA take measures to strengthen air safety. There is an issue of understaffing in the civil aviation regulator, and it can recruit retired personnel for short-term contacts, he said.

In the meeting, it was also informed that safety audits of Boeing 787 Dreamliners operated by various lines have been completed

Members from across party lines grilled officials and airlines operators over an "arbitrary" surge in air ticket prices and cited a host of examples, including a steep hike in fares for planes flying from Srinagar after the Pahalgam terror attack and during the Maha Kumbh in Prayagraj, according to the sources.

When an official said the DGCA will be talking to airlines to have a consensus on developing a mechanism against such price increases, a BJP member shot back, wondering if the unfair practice will continue for want of consensus. Some other MPs said the aviation regulator has the remit to take action.

The DGCA said it will be putting guidelines in place to curb any unreasonable surge in prices, the sources said.

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA

Corporate Communications Directorate

THE FINANCIAL EXPRESS DELHI 9 JULY 2025

AAIB submits preliminary report on AI plane crash

NITIN KUMAR
New Delhi, July 8

THE AIRCRAFT ACCIDENT Investigation Bureau (AAIB) submitted its preliminary report on the Air India plane crash to the ministry of civil aviation and other authorities concerned on Tuesday, according to senior government officials.

The preliminary report includes aircraft information, crew details, weather conditions, aerodrome data, a description of the accident, and the current status of the investigation, but it does not yet include findings, probable causes of the accident, or safety recommendations, a senior official told *FE*. The investigation is still underway and a detailed final report will be released in the coming months. This final report is expected to provide a comprehensive understanding of the factors that led to the crash.

The Ahmedabad-London AI171 flight crashed just minutes after taking off from Sardar Vallabhbhai Patel International Airport on June 12, claiming the lives of over 260 people. According to sources, the report documents technical findings from the crash wreckage, including the extent of damage to the aircraft's engines and airframe — factors considered crucial to understanding the cause of the disaster.

Air India CEO Campbell Wilson (right) with NCP MP Praful Patel at the Parliament House ahead of a meeting of the Public Accounts Committee on Tuesday

House panel meet on aviation safety

The report came just hours ahead of a meeting of Parliament's Public Accounts Committee (PAC). Senior officials from the ministry of civil aviation and representatives of airlines appeared before the committee. Air India has reportedly told the PAC that the Boeing Dreamliner remains "one of the safest aircraft in operation" globally, even as scrutiny intensifies following the plane crash in Ahmedabad. Air India CEO and MD Campbell Wilson told the committee his airline will complete retrofitting of its fleet in two years to address frequent complaints about its seats and other facilities, and underscored its commitment to flight safety, sources said.

Congress MP K C Venugopal, who leads the panel, told reporters after the meeting that the committee members were all worried about safety issues, with NCP MP Praful Patel noting that several incidents following the Ahmedabad crash were reported and that every passenger wants to feel safe about their journey.

(With PTI inputs)

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

FREE PRESS JOURNAL MUMBAI 8 JULY 2025

Akasa Air, GMR Aero Technic ink pact

FPJ News Service
MUMBAI

Akasa Air signed a three-year agreement with GMR Aero Technic for base maintenance support of its Boeing 737 MAX fleet. The airframe maintenance, repair and overhaul (MRO) organisation will undertake C check maintenance requirements for the airline.

Akasa signed an agreement with GMR Aero Technic on Monday for the base maintenance support of its Boeing 737 MAX fleet. Under the agreement, GMR Aero Technic will undertake scheduled base maintenance checks for Akasa Air's fleet at its state-of-the-art MRO facility, located in Hyderabad. Akasa Air said that the partnership underscores its commitment to maintaining a modern, efficient fleet that upholds the highest standards of safety and reliability. Belson Coutinho, co-founder and COO of Akasa Air, said, "We place utmost importance on the safety and reliability of our fleet. Partnering with GMR Aero Technic for base maintenance aligns with our commitment to maintaining the highest technical standards as we scale rapidly."

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

THE HINDUSTAN TIMES DELHI 9 JULY 2025

{ PARLIAMENTARY PANEL MEETING }

Waiting for AI-171 crash probe report: Officials

Saubhadra Chatterji and Neha LM Tripathi
letters@hindustantimes.com

NEW DELHI: Aviation ministry and Air India officials told a parliamentary committee on Tuesday they are "eagerly waiting" for the preliminary investigation report into the June 12 crash that killed 260 people.

The Public Accounts Committee session, originally scheduled to discuss infrastructure fees and tariffs, instead became the first parliamentary meeting to address the Air India Flight 171 tragedy and broader aviation safety concerns.

The discussion came just days ahead of Friday's 30-day deadline for the Aircraft Accident Investigation Bureau (AAIB) to report its preliminary findings into the crash of Flight 171, the cause of which is yet to be determined.

Several MPs highlighted multiple air safety incidents that have occurred since the Ahmedabad crash, with one Opposition member demanding a special audit of the Bureau of Civil Aviation Security (BCAS), the ministry's security wing responsible for safety standards at airports nationwide, people aware of the matter said.

BJP MP Jagdambika Pal confirmed air safety dominated the proceedings, with lawmakers including former aviation minister Praful Patel, BJP's Ravishankar Prasad, and Congress's Shaktisinh Gohil pressing officials on investigation progress and systemic safety measures.

Air India officials defended their Boeing 787 fleet, telling the committee the aircraft "has been and is considered one of the safest aircraft in the world," noting that 1,100 such planes are currently in service globally.

MPs posed detailed questions about the investigation's technical aspects, seeking information on team composition, including whether type-rated pilots and engineers for the Boeing 787 are involved in the probe, a person aware of the discussions told HT.

They also enquired about the current status of the analysis of digital flight data recorder and cockpit voice recorder, questioning whether the work is being conducted at AAIB's laboratory at Udaan Bhawan and its technical capabilities. Lawmakers asked whether foreign agencies such as the US National Transportation Safety Board or the UK's Air Accidents Investigation Branch have been requested to assist the investigation. Officials are expected to provide written responses to the parliamentary queries.

Air safety in focus as key panel meets today

Neha LM Tripathi
letters@hindustantimes.com

NEW DELHI: The aviation secretary and industry representatives will participate in a day-long safety review of the airline sector on Wednesday, days before the first report into the Air India Flight 171 tragedy is expected.

The parliamentary standing committee on transport, tourism and culture, headed by JD(U)'s Sanjay Jha, will bring together government officials and airline executives to examine safety standards across India's civil aviation sector ahead of the crucial 30-day deadline that ends on July 11. "The topic for discussion is overall safety of the civil aviation sector," said a senior official, asking not to be named. The civil aviation ministry will conclude proceedings with observations on safety concerns and sector preparedness.

All major stakeholders, including the Directorate General of Civil Aviation (DGCA), will present their safety protocols during the session scheduled to begin at 11am.

Attendees will include the civil aviation ministry secretary, senior leadership from major airlines, airport authorities, DGCA officials, and Airports Authority of India (AAI) representatives.

On June 12, Air India Flight 171 crashed moments after take-off, claiming the lives of all but one of the 242 passengers on board and killing 19 others at the medical college compound that it slammed into and burst into flames.

The Air Accident Investigation Board (AAIB) is expected this week to release its preliminary findings into the incident and a second official aware of the matter confirmed the release is on track for this week, potentially marking the first time India has issued such a report within the internationally recommended 30-day timeframe.

While the contents of the report are unknown, it will likely figure information following analysis of flight data recorders, cockpit audio, aircraft maintenance records, and crew qualifications among others.

The report will provide factual information gathered during the initial investigation phase, including basic circumstances of the accident, aircraft technical details, weather conditions at the time of the crash, and immediate observations from the accident site examination.

On June 12, Air India flight 171 crashed moments after take-off, claiming the lives of all but one of the 242 passengers on board. REUTERS

Generally, a determination of causes or safety recommendations are reserved for the comprehensive final report.

The 30-day deadline is part of International Civil Aviation Organization (ICAO) Annex 13 guidelines under the Chicago Convention on International Civil Aviation – an agreement that India is a signatory to.

These internationally binding standards require the investigating state to notify ICAO immediately of any aircraft accident and submit a preliminary report within 30 days containing factual information available at that stage of the investigation.

The preliminary report serves to provide early transparency and share critical safety information with the global aviation community, even as the detailed investigation continues. Under the same ICAO framework, the comprehensive final report—which will include detailed analysis, probable cause determination, and safety recommendations—must be completed within 12 months of the accident date.

Officials emphasised the meeting addresses systemic safety issues rather than specific incidents. "The committee is examining overall safety aspects, not just the Air India crash or recent helicopter incidents in Uttarakhand," a third official clarified.

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

THE HINDUSTAN TIMES DELHI 9 JULY 2025

Air safety in focus as key panel meets today

Neha LM Tripathi
letters@hindustantimes.com

NEW DELHI: The aviation secretary and industry representatives will participate in a day-long safety review of the airline sector on Wednesday, days before the first report into the Air India Flight 171 tragedy is expected.

The parliamentary standing committee on transport, tourism and culture, headed by JD(U)'s Sanjay Jha, will bring together government officials and airline executives to examine safety standards across India's civil aviation sector ahead of the crucial 30-day deadline that ends on July 11. "The topic for discussion is overall safety of the civil aviation sector," said a senior official, asking not to be named. The civil aviation ministry will conclude proceedings with observations on safety concerns and sector preparedness.

All major stakeholders, including the Directorate General of Civil Aviation (DGCA), will present their safety protocols during the session scheduled to begin at 11am.

Attendees will include the civil aviation ministry secretary, senior leadership from major airlines, airport authorities, DGCA officials, and Airports Authority of India (AAI) representatives.

On June 12, Air India Flight 171 crashed moments after take-off, claiming the lives of all but one of the 242 passengers on board and killing 19 others at the medical college compound that it slammed into and burst into flames.

The Air Accident Investigation Board (AAIB) is expected this week to release its preliminary findings into the incident and a second official aware of the matter confirmed the release is on track for this week, potentially marking the first time India has issued such a report within the internationally recommended 30-day timeframe.

While the contents of the report are unknown, it will likely figure information following analysis of flight data recorders, cockpit audio, aircraft maintenance records, and crew qualifications among others.

The report will provide factual information gathered during the initial investigation phase, including basic circumstances of the accident, aircraft technical details, weather conditions at the time of the crash, and immediate observations from the accident site examination.

On June 12, Air India flight 171 crashed moments after take-off, claiming the lives of all but one of the 242 passengers on board. REUTERS

Generally, a determination of causes or safety recommendations are reserved for the comprehensive final report.

The 30-day deadline is part of International Civil Aviation Organization (ICAO) Annex 13 guidelines under the Chicago Convention on International Civil Aviation – an agreement that India is a signatory to.

These internationally binding standards require the investigating state to notify ICAO immediately of any aircraft accident and submit a preliminary report within 30 days containing factual information available at that stage of the investigation.

The preliminary report serves to provide early transparency and share critical safety information with the global aviation community, even as the detailed investigation continues. Under the same ICAO framework, the comprehensive final report—which will include detailed analysis, probable cause determination, and safety recommendations—must be completed within 12 months of the accident date.

Officials emphasised the meeting addresses systemic safety issues rather than specific incidents. "The committee is examining overall safety aspects, not just the Air India crash or recent helicopter incidents in Uttarakhand," a third official clarified.

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA

Corporate Communications Directorate

MILLENNIUM POST DELHI 9 JULY 2025

MPS FLAG AVIATION SAFETY

Parl panel meeting: DGCA assures of steps to curb airfare surge

MPOST BUREAU

NEW DELHI: Aviation regulator DGCA said on Tuesday it will put in place a mechanism to curb whopping surge in air ticket prices, recently witnessed during the Maha Kumbh and post-Pahalgam terror attack, as the issue coupled with concerns over air safety after the Ahmedabad plane crash dominated proceedings at a parliamentary panel meeting.

Air India CEO and MD Campbell Wilson told the committee his airline will complete retrofitting of its fleet in two years to address frequent complaints about its seats and other facilities, and underscored its commitment to flight safety, sources said.

An Air India Boeing 787 Dreamliner carrying over 240 people had crashed moments after taking off from the Ahmedabad airport on June 12, killing all but one person aboard in one of the worst aviation disasters that has brought the issue of air safety into sharp focus.

Some members of the Public Accounts Committee, led by Congress MP K C Venugopal, demanded an audit of the Bureau of Civil Aviation Security, citing a spate of incidents concerning operational safety, and asked when the probe report into the crash will be ready.

With the probe still going on, there was no detailed discussion on the Ahmedabad crash, and members confined themselves to broader concerns about safety.

Venugopal told reporters after the meeting that the committee members were all worried about safety issues, with NCP MP Praful Patel noting that several incidents following the crash were reported and that every passenger wants to feel safe about their journey.

Members grilled official agencies over what some of them described as an "arbitrary" surge in air ticket prices and cited a host of examples, including the manifold hike in fares for planes flying from Srinagar after the Pahalgam terror attack and during the Maha Kumbh in Prayagraj, according to the sources.

When an official said the Directorate General of Civil Aviation (DGCA) will be talking to airlines to have a consensus on developing a mechanism against it, a BJP member shot back wondering if the unfair practice will continue for want of consensus while some other MPs added that the aviation regular has the remit to take action.

The DGCA said it will be putting guidelines in place to curb any unreasonable surge in prices, the sources said.

Amid complaints of broken or uncomfortable seats in Air India planes and other issues of passenger convenience, an MP in the meeting recalled his recent visit abroad in the business class of the airline, highlighting his discomfort caused by the condition of the seat.

Air India CEO Wilson said his airline is working to address these concerns and will do an overhaul of its fleet in two years.

Some members demanded an overall safety audit of all flights in operation, with the DGCA asserting that it has kept passengers' well-being paramount.

One of the MPs sought to know from the ministry officials about the time frame for completing the analysis of the aircraft's black boxes, the sources said.

A member, sources said, claimed that while user charges have risen, the convenience for travellers has declined.

Officials from the civil aviation ministry, DGCA, Airports Economic Regulatory Authority of India (AERA), Airports Authority of India (AAI), AAI Cargo Logistics and Allied Services Company Ltd (AAICLAS) and the Bureau of Civil Aviation Security (BCAS), among others, attended the meeting.

Top officials of various airlines, including Air India, Spice Jet and Indigo, and companies involved in airport operations like Adani Airport Holding

Highlights

- Air India CEO and MD Campbell Wilson told the committee his airline will complete retrofitting of its fleet in two years to address frequent complaints about its seats and other facilities
- Some members of the Public Accounts Committee, led by Congress MP K C Venugopal, demanded an audit of the Bureau of Civil Aviation Security

REPRESENTATIVE PIC

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

NAVBHARAT TIMES DELHI 9 JULY 2025

उड़ान भरते ही लौटा विमान

■ **भाषा, इंदौर:** इंडिगो एयरलाइंस की इंदौर-रायपुर उड़ान को मंगलवार को उड़ान भरने के थोड़ी देर बाद ही तकनीकी खराबी के चलते स्थानीय देवी अहिल्याबाई होलकर हवाई अड्डे पर वापस उतारा गया, जिसमें 51 यात्री सवार थे। हवाई अड्डे के निदेशक विपिनकांत सेठ ने बताया कि इंडिगो एयरलाइंस की उड़ान संख्या 6ई-7295 में तकनीकी खराबी का अहसास पायलट को तब हुआ, जब यह विमान इंदौर से उड़ान भरकर आकाश में करीब 60 नॉटिकल मील की दूरी तय कर चुका था। यह हवाई जहाज मंगलवार सुबह 06:35 के आस-पास स्थानीय हवाई अड्डे से रवाना हुआ था और इसके चंद मिनटों बाद विमान के पायलट ने ATC को सूचना देते हुए तकनीकी कारणों से इसे वापस हवाई अड्डे पर उतारा। हवाई अड्डे के निदेशक ने वा किया कि विमान की आपात लैंडिंग नहीं हुई। विमान में 51 यात्री सवार थे।

इमरजेंसी लैंडिंग से एयरपोर्ट निदेशक ने किया इनकार

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA

Corporate Communications Directorate

THE PIONEER DELHI 9 JULY 2025

Air India crash report submitted

PIONEER NEWS SERVICE
New Delhi

AI defended the Boeing Dreamliner in the wake of the AI 171 crash in Ahmedabad, calling it one of the safest aircraft in operation

Almost 26 days after an air crash involving Air India London bound AI171, which left over 270 dead on June 12, the Aircraft Accident Investigation Bureau (AAIB) has submitted its preliminary report to the Ministry of Civil Aviation and other relevant authorities. While the contents of the preliminary report are not known, it is believed that it will give critical information about what caused the crash. According to sources, the report is based on the bureau's initial assessment and findings gathered in the early phase of the investigation.

Meanwhile, a Parliament's Public Accounts Committee (PAC) also held discussions with senior civil aviation ministry officials as well as airline and airport representatives, with several Parliamentarians seeking information on the Air India plane crash and when the probe report will be ready. Among other issues, some members demanded an audit of the Bureau of Civil Aviation Security (BCAS). The members also raised concerns over a sudden surge in Srinagar airfares following the Pahalgam terror attack in April. The Directorate General of Civil Aviation (DGCA) informed the PAC that it will put in place a mechanism to curb whopping surge in air ticket prices, recently witnessed during the Maha Kumbh and post-Pahalgam terror attack, as the issue coupled with concerns over air safety after the Ahmedabad plane crash dominated proceedings at a parliamentary panel meeting.

Air India, in its submission to the PAC defended the Boeing Dreamliner aircraft in the wake of the tragic AI 171 crash in Ahmedabad, calling it one of the safest aircraft in operation. Air India CEO and MD Campbell Wilson told the committee his airline will complete retrofitting of its fleet in two years to address frequent complaints about its seats and other facilities, and underscored its commitment to flight safety.

Continued on » P4

Air India crash report submitted

Continued from » P1 The airline informed the panel that over 1,000 Dreamliners are currently operating globally. The airline's defence came during a PAC meeting that was originally scheduled to discuss "levy charges at airports" but turned into a tense session over the June 12 crash.

Some members of the PAC, led by Congress MP KC Venugopal, demanded an audit of the Bureau of Civil Aviation Security, citing a spate of incidents concerning operational safety, and asked when the probe report into the crash will be ready. With the probe still going on, there was no detailed discussion on the Ahmedabad crash, and members confined themselves to broader concerns about safety.

The AAIB is expected to continue its in-depth investigation to determine the exact cause of the crash and recommend safety measures going forward expected to appear. According to sources, the report outlined the key observations by the investigators related to flight data, weather conditions, electrical, mechanical or technical performance by the aircraft after taking off from the Sardar Vallabhbhai Patel International Airport and the crew actions and their communication with the Air Traffic Control (ATC). Sources said the AAIB has not concluded the reasons that led to such a massive air disaster in India's aviation history in decades.

The Ahmedabad-London AI171 flight crashed within minutes of takeoff from the Sardar Vallabhbhai Patel International Airport on June 12. A total of 260 people were killed in the accident that included 241 in the flight, including passengers and crew, and 19 persons on the ground. Only one passenger survived the crash. The fatalities on the ground were caused after the aeroplane crashed into the BJ Medical College.

A combined unit of the Digital Flight Data Recorder (DFDR) and the Cockpit Voice Recorder (CVR) was recovered from the crash site on June 13, and another set was found on June 16. This model of aircraft has two black box sets. A multi-disciplinary team from AAIB commenced an investigation into the crash on June 12. The investigation was ordered by the DG, AAIB. US NTSB and OEM teams also arrived to assist the AAIB as per ICAO protocols.

The Public Accounts Committee (PAC), headed by senior Congress leader K C Venugopal, met the senior officials and airline representatives. Many panel members mentioned the Air India plane crash on June 12, and one of the members sought to know from the ministry officials about the time frame for completing the analysis of the aircraft's black boxes.

Several committee members expressed concerns over the sudden rise in airfares for Srinagar flights following the Pahalgam terror attack. Officials from the ministry, the Directorate General of Civil Aviation (DGCA), Airports Economic Regulatory Authority of India (AERA), Airports Authority of India (AAI), AAI Cargo Logistics and Allied Services Company Ltd (AAICLAS) and Bureau of Civil Aviation Security (BCAS), among others, attended the meeting. The agenda of the meeting was to take oral evidence of the representatives of the ministry, DGCA, AERA, AAI, AAICLAS, BCAS and other concerned organisations, including airport operators and airlines, on the subject 'Levy and regulation of fees, tariffs, user charges, etc. On public infrastructure and other public utilities', as per the Lok Sabha website.

During the meeting, members grilled official agencies over what some of them described as an "arbitrary" surge in air ticket prices and cited a host of examples, including the manifold hike in fares for planes flying from Srinagar after the Pahalgam terror attack and during the Maha Kumbh in Prayagraj, according to the sources.

When an official said the DGCA will be talking to airlines to have a consensus on developing a mechanism against it, a BJP member shot back wondering if the unfair practice will continue for want of consensus while some other MPs added that the aviation regular has the remit to take action. The DGCA said it will be putting guidelines in place to curb any unreasonable surge in prices, the sources said. Amid complaints of broken or uncomfortable seats in Air India planes and other issues of passenger convenience, an MP in the meeting recalled his recent visit abroad in the business class of the airline, highlighting his discomfort caused by the condition of the seat.

Some members demanded an overall safety audit of all flights in operation, with the DGCA asserting that it has kept passengers' well-being paramount. One of the MPs sought to know from the ministry officials about the time frame for completing the analysis of the aircraft's black boxes, the sources said.

A member, sources said, claimed that while user charges have risen, the convenience for travellers has declined.

Patel, a former civil aviation minister and a member of the committee, said MPs had valid concerns about the price surge. It falls within the jurisdiction of the DGCA and the ministry, and they should invoke existing provisions to maintain ticket prices at a reasonable level, he added. On safety, he said the DGCA needs more skilled experts at the senior level, suggesting that it should reemploy retired officials with requisite expertise to fill the gap.

It will help ensure that all safety standards are fully complied, he said. An audit of the entire sector and all aircraft may be done at the earliest to restore passenger confidence, he said, while insisting that Indian aviation is safe and there is no need to panic.

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

PUNJAB KESARI DELHI 9 JULY 2025

एअर इंडिया विमान हादसे की प्रारंभिक रिपोर्ट सबमिट

पंजाब केसरी/नई दिल्ली

विमान दुर्घटना जांच ब्यूरो (एएआईबी) ने एयर इंडिया 171 हादसे पर अपनी प्रारंभिक रिपोर्ट नागर विमानन मंत्रालय और अन्य संबंधित अधिकारियों को सौंप दी है। शीर्ष सरकारी अधिकारियों के बताया है कि प्रारंभिक आकलन और शुरुआती निष्कर्षों पर आधारित यह रिपोर्ट इस सप्ताह के अंत में सार्वजनिक होने की उम्मीद है।लंदन जाने वाली एयर इंडिया की फ्लाइट एआई171, 12 जून को अहमदाबाद एयरपोर्ट से उड़ान भरने के कुछ ही सेकंड बाद एक मेडिकल कॉलेज के हॉस्टल में दुर्घटनाग्रस्त हो गई। इस दुखद दुर्घटना में विमान में सवार 241 लोग और जमीन पर मौजूद 19

लोग मारे गए थे।एआई171 के सीवीआर और एफडीआर दोनों बरामद कर लिए गए। इनमें से पहला 13 जून, 2025 को दुर्घटना स्थल पर इमारत की छत से और दूसरा 16 जून, 2025 को मलबे से मिला था। एयर इंडिया की फ्लाइट की दुर्भाग्यपूर्ण दुर्घटना के बाद, एयरक्राफ्ट एक्सीडेंट इन्वेस्टिगेशन ब्यूरो (एएआईबी) ने तुरंत जांच शुरू की और निर्धारित मानदंडों के अनुसार 13 जून 2025 को एक बहु-विषयक टीम का गठन किया गया था।

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

PUNJAB KESARI DELHI 9 JULY 2025

इंडिगो विमान की इमरजेंसी लैंडिंग

इंदौर, (पंजाब केसरी): इंदौर से रायपुर जा रही इंडिगो एयरलाइंस की फ्लाइट में मंगलवार सुबह तकनीकी गड़बड़ी के चलते उड़ान के लगभग आधे घंटे बाद आपातकालीन लैंडिंग करा दी गई। फ्लाइट संख्या 6E 7295 रोजाना सुबह 6:35 बजे इंदौर से रवाना होती है। आज उसने तय समय पर टेक-ऑफ किया, लेकिन उड़ान के कुछ देर बाद ही तकनीकी समस्या के कारण पायलट को विमान वापस लाना पड़ा। यात्रियों के अनुसार फ्लाइट ने सुबह 6:30 बजे इंदौर एयरपोर्ट से टेक ऑफ किया था। उड़ान भरने के करीब 30 मिनट बाद अचानक एक जोर का झटका महसूस हुआ। इसके कुछ मिनटों बाद ही पायलट ने घोषणा की कि तकनीकी कारणों से विमान को वापस इंदौर एयरपोर्ट पर लाया जा रहा है। विमान को सुबह 7:15 बजे सुरक्षित लैंड करा लिया गया। इंदौर एयरपोर्ट के टर्मिनल मैनेजर के अनुसार,

पायलट को उड़ान के दौरान फॉल्स अलार्म यानी झूठे तकनीकी संकेत मिले थे, जो आमतौर पर सुरक्षा के लिहाज से गंभीर माने जाते हैं। इस एहतियात के चलते पायलट ने फ्लाइट को बीच रास्ते से वापस मोड़ने का फैसला किया। लैंडिंग के बाद सभी यात्रियों को सुरक्षित विमान से उतार दिया गया। तकनीकी जांच और सुरक्षा कारणों से इंडिगो ने इस फ्लाइट को रद्द कर दिया। एयरलाइंस की ओर से यात्रियों को दो विकल्प दिए गए हैं, वे चाहें तो टिकट का पूरा पैसा वापस ले सकते हैं या फिर अपनी बुकिंग को रीशेड्यूल करा सकते हैं।

मधुमक्खियों का झुंड मंडराने लगा विमान पर, फ्लाइट लेट

सूरत (गुजरात), (पंजाब केसरी): सूरत से जयपुर जाने वाली इंडिगो की एक उड़ान में लगभग 45 मिनट की देरी हुई, क्योंकि प्रस्थान से पहले विमान के 'लगेज कंपार्टमेंट" के दरवाजे पर मधुमक्खियों का झुंड देखा गया। अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। सूरत हवाई अड्डे के निदेशक ए एन शर्मा ने बताया कि यह घटना सोमवार दोपहर को हुई। उन्होंने बताया, जब विमान हवाई अड्डे पर खड़ा था, तो ग्राउंड स्टाफ ने कार्गो दरवाजे के किनारे मधुमक्खियों का जमावड़ा देखा। यह दरवाजा सामान को विमान में लोड किए जाने के समय खुला था। शर्मा ने कहा, सूचना मिलने के बाद हमारा अग्निशमन वाहन मौके पर पहुंचा और पानी का छिड़काव कर खुले दरवाजे के किनारे से मधुमक्खियों को हटाया। इस घटना के कारण सूरत-जयपुर उड़ान के प्रस्थान में करीब 45 मिनट की देरी हुई। उन्होंने कहा कि इस घटना में कोई घायल नहीं हुआ।

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA

Corporate Communications Directorate

RAJASTHAN PATRIKA DELHI 9 JULY 2025

उड़ान भरने के बाद विमान इंदौर लौटा

इंदौर@ पत्रिका. इंदौर से रायपुर के लिए उड़े इंडिगो एयरलाइंस के विमान की मंगलवार को तकनीकी गड़बड़ी के कारण आधे घंटे बाद फिर इंदौर एयरपोर्ट पर इमरजेंसी लैंडिंग करानी पड़ी। तकनीकी जांच के बाद सुरक्षा कारणों से फ्लाइट रद्द कर दी गई। एयरलाइंस ने यात्रियों को रिफंड या अगली उड़ान के लिए बुकिंग के विकल्प दिए।

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA

Corporate Communications Directorate

RASHTRIYA SAHARA DELHI 9 JULY 2025

तकनीकी खराबी के कारण इंडिगो की उड़ान वापस लौटी

इंदौर। इंडिगो एयरलाइंस की इंदौर-रायपुर उड़ान को मंगलवार को उड़ान भरने के थोड़ी देर बाद ही तकनीकी खराबी के चलते स्थानीय देवी अहिल्याबाई होलकर हवाई अड्डे पर वापस उतारा गया जिसमें 51 यात्री सवार थे। हवाई अड्डे के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। हवाई अड्डे के निदेशक विपिनकांत सेठ ने बताया कि इंडिगो एयरलाइंस की उड़ान संख्या 6ई-7295 में तकनीकी खराबी का अहसास पायलट को तब हुआ, जब यह विमान इंदौर से उड़ान भरकर आकाश में करीब 60 नॉटिकल मील की दूरी तय कर चुका था। उन्होंने बताया कि यह हवाई जहाज मंगलवार सुबह 06:35 के आसपास स्थानीय हवाई अड्डे से रवाना हुआ था।

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

RASHTRIYA SAHARA DELHI 9 JULY 2025

दुर्घटनाओं और किराया वृद्धि पर उड्डयन मंत्रालय से सवाल

■ संसदीय समिति ने उठाए हैं ये सवाल ■ श्रीनगर के बढ़े किराए पर भी चिंता

नई दिल्ली (भाषा)।

संसद की एक समिति ने नागर विमानन मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों, एयरलाइन और हवाई अड्डा प्रतिनिधियों के साथ चर्चा की। इस दौरान कई सांसदों ने एयर इंडिया विमान दुर्घटना के संबंध में सवाल किए और पूछा कि इसपर रिपोर्ट कब तक तैयार होगी।

सूत्रों ने मंगलवार को यह जानकारी देते हुए कहा कि सदस्यों ने अप्रैल में पहलगाम आतंकी हमले के बाद श्रीनगर के हवाई किराये में अचानक बढ़ोतरी पर भी चिंता जताई। सूत्रों ने बताया कि अन्य मुद्दों के अलावा कुछ सदस्यों ने नागर विमानन सुरक्षा ब्यूरो (बीसीएएस) से ऑडिट की मांग भी की। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता केसी वेणुगोपाल की अध्यक्षता वाली लोक लेखा समिति (पीएसी) ने वरिष्ठ अधिकारियों और एयरलाइन प्रतिनिधियों से मुलाकात की। सूत्रों ने बताया कि एयर इंडिया के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) और प्रबंध निदेशक (एमडी) कैंपबेल विल्सन समेत एयरलाइन के शीर्ष प्रतिनिधि मौजूद थे।

उन्होंने बताया कि समिति के कई सदस्यों ने 12 जून को एयर इंडिया विमान दुर्घटना का जिक्र किया और एक सदस्य ने मंत्रालय के अधिकारियों से विमान के ब्लैक बॉक्स का विश्लेषण पूरा करने की समयसीमा के बारे में जानना चाहा।

अहमदाबाद में 12 जून को उड़ान भरने के तुरंत बाद लंदन गैटविक जाने वाला एयर इंडिया का विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया था। इस दुर्घटना में करीब 270 लोग मारे गए थे। सूत्रों ने कहा कि समिति के कई सदस्यों ने पहलगाम आतंकी हमले के बाद श्रीनगर की उड़ानों के लिए हवाई किराये में अचानक वृद्धि पर चिंता व्यक्त की। बैठक में विमानन मंत्रालय, नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए), भारतीय विमानपत्तन आर्थिक नियामक प्राधिकरण (एईआरए), भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (एएआई), एएआई कार्गो लॉजिस्टिक्स एंड अलाइड सर्विसेज कंपनी लिमिटेड और नागर विमानन सुरक्षा ब्यूरो (बीसीएएस) के अधिकारी शामिल हुए।

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

RASHTRIYA SAHARA DELHI 9 JULY 2025

लखनऊ से छह गंतव्य जोड़ेगी शंख एयर

मुंबई (भाषा)।

उत्तर प्रदेश स्थित विमानन कंपनी शंख एयर ने शुरुआत में राज्य की राजधानी लखनऊ से छह गंतव्यों को जोड़ने की योजना बनाई है। कंपनी फिलहाल नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) से उड़ान के लिए मंजूरी का इंतजार कर रही है।

विमानन कंपनी ने कहा कि वह देश में मौजूदा क्षेत्रीय कंपनियों द्वारा संचालित किए जा रहे टर्बोप्रॉप विमानों के स्थान पर अपने परिचालन के लिए 'नैरो-बॉडी' एयरबस ए320 विमानों को पट्टे पर लेने की योजना बना रही है। शंख एयर के चेयरमैन श्रवण कुमार विश्वकर्मा ने हाल ही में नागर विमानन मंत्री के. राममोहन नायडू से मुलाकात की थी।

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

RASHTRIYA SAHARA DELHI 9 JULY 2025

सांसदों ने उठाए विमानन सुरक्षा पर सवाल

- एअर इंडिया के अधिकारियों ने कहा, ड्रीमलाइनर सबसे सुरक्षित विमानों में से एक
- किराये में वृद्धि पर अंकुश लगाने को डीजीसीए ने व्यवस्था बनाने का दिया आश्वासन

नई दिल्ली, प्रेट्र : संसद की लोक लेखा समिति के सदस्यों ने अहमदाबाद में एअर इंडिया विमान के दुर्घटनाग्रस्त होने तथा पहलगाम में आतंकवादी हमले के बाद हवाई सुरक्षा और श्रीनगर से अन्य शहरों के लिए हवाई किराये में अचानक वृद्धि के बाद विमानन सुरक्षा पर मंगलवार को गंभीर चिंता जताई तथा उपस्थित अधिकारियों से स्पष्टीकरण मांगा। समिति ने नागरिक उड्डयन मंत्रालय के शीर्ष अधिकारियों तथा प्रमुख एअरलाइनों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक की। विभिन्न एअरलाइनों द्वारा श्रीनगर से और श्रीनगर के लिए अपने किराये में भारी वृद्धि करने के तरीके पर असंतोष व्यक्त करते हुए कई सांसदों ने कहा कि किराये में इस तरह की 'मनमाना' वृद्धि निर्धारित मानकों के विरुद्ध है। यद्यपि नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने किराये में बढ़ोतरी पर अंकुश लगाने के लिए व्यवस्था बनाने का आश्वासन दिया है।

बैठक में नागरिक उड्डयन मंत्रालय, नागरिक उड्डयन महानिदेशालय, भारतीय विमानपत्तन आर्थिक विनियामक प्राधिकरण, भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण, कार्गो लाजिस्टिक्स एंड एलाइड सर्विसेज कंपनी लिमिटेड और नागरिक उड्डयन सुरक्षा ब्यूरो के अधिकारियों ने भाग लिया। हवाई अड्डा संचालकों और एअरलाइनों के प्रतिनिधि भी मौजूद थे। बैठक का एजेंडा 'सार्वजनिक अवसंरचना और अन्य सार्वजनिक उपयोगिताओं पर शुल्क, टैरिफ, उपयोगकर्ता शुल्क लगाना और उनका विनियमन' था। बैठक में एअर इंडिया के सीईओ तथा एमडी कैंपबेल विल्सन सहित कई शीर्ष अधिकारी भी मौजूद थे।

एअर इंडिया के अधिकारियों ने संसदीय समिति को बताया कि ड्रीमलाइनर सबसे सुरक्षित विमानों में से एक है। लंदन जाते समय अहमदाबाद में दुर्घटनाग्रस्त हुआ बोइंग ड्रीमलाइनर विमान दुनिया के सबसे सुरक्षित विमानों में से एक था। उन्होंने यह भी बताया कि विभिन्न देशों में 1,100 से अधिक ड्रीमलाइनर इस्तेमाल किए जा रहे हैं। उन्होंने उड़ान सुरक्षा के लिए अपनी प्रतिबद्धता को भी दोहराया।

भाजपा सांसद जगदंबिका पाल ने कहा कि एअरलाइनों ने हवाई टिकटों की बढ़ती कीमतों पर चिंताओं को दूर करने का आश्वासन दिया है। बैठक में हमने बौद्ध सर्किट के बारे में बात की। बौद्ध धर्म में बहुत महत्वपूर्ण स्थान हैं। बौद्ध धर्म के लिए महत्वपूर्ण सभी देश और स्थान आपस में जुड़ेंगे। हवाई सुरक्षा सबसे अधिक चर्चा का मुद्दा रहा।

कांग्रेस सांसद और लोक लेखा समिति के अध्यक्ष केसी वेणुगोपाल ने बताया कि समिति ने एअरलाइनों से किराये पर स्पष्ट नियम बनाने को कहा है। उन्होंने कहा, 'हर कोई सुरक्षा को लेकर चिंतित है। हम हवाई किराये में वृद्धि पर भी चर्चा कर रहे हैं, खासकर पहलगाम के बाद और कुंभ के दौरान।'

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

RASHTRIYA SAHARA DELHI 9 JULY 2025

सांसदों ने उठाए विमानन सुरक्षा पर सवाल

- एअर इंडिया के अधिकारियों ने कहा, ड्रीमलाइनर सबसे सुरक्षित विमानों में से एक
- किराये में वृद्धि पर अंकुश लगाने को डीजीसीए ने व्यवस्था बनाने का दिया आश्वासन

नई दिल्ली, प्रेट्र : संसद की लोक लेखा समिति के सदस्यों ने अहमदाबाद में एअर इंडिया विमान के दुर्घटनाग्रस्त होने तथा पहलगाम में आतंकवादी हमले के बाद हवाई सुरक्षा और श्रीनगर से अन्य शहरों के लिए हवाई किराये में अचानक वृद्धि के बाद विमानन सुरक्षा पर मंगलवार को गंभीर चिंता जताई तथा उपस्थित अधिकारियों से स्पष्टीकरण मांगा। समिति ने नागरिक उड्डयन मंत्रालय के शीर्ष अधिकारियों तथा प्रमुख एअरलाइनों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक की। विभिन्न एअरलाइनों द्वारा श्रीनगर से और श्रीनगर के लिए अपने किराये में भारी वृद्धि करने के तरीके पर असंतोष व्यक्त करते हुए कई सांसदों ने कहा कि किराये में इस तरह की 'मनमाना' वृद्धि निर्धारित मानकों के विरुद्ध है। यद्यपि नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने किराये में बढ़ोतरी पर अंकुश लगाने के लिए व्यवस्था बनाने का आश्वासन दिया है।

बैठक में नागरिक उड्डयन मंत्रालय, नागरिक उड्डयन महानिदेशालय, भारतीय विमानपत्तन आर्थिक विनियामक प्राधिकरण, भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण, कार्गो लाजिस्टिक्स एंड एलाइड सर्विसेज कंपनी लिमिटेड और नागरिक उड्डयन सुरक्षा ब्यूरो के अधिकारियों ने भाग लिया। हवाई अड्डा संचालकों और एअरलाइनों के प्रतिनिधि भी मौजूद थे। बैठक का एजेंडा 'सार्वजनिक अवसंरचना और अन्य सार्वजनिक उपयोगिताओं पर शुल्क, टैरिफ, उपयोगकर्ता शुल्क लगाना और उनका विनियमन' था। बैठक में एअर इंडिया के सीईओ तथा एमडी कैंपबेल विल्सन सहित कई शीर्ष अधिकारी भी मौजूद थे।

एअर इंडिया के अधिकारियों ने संसदीय समिति को बताया कि ड्रीमलाइनर सबसे सुरक्षित विमानों में से एक है। लंदन जाते समय अहमदाबाद में दुर्घटनाग्रस्त हुआ बोइंग ड्रीमलाइनर विमान दुनिया के सबसे सुरक्षित विमानों में से एक था। उन्होंने यह भी बताया कि विभिन्न देशों में 1,100 से अधिक ड्रीमलाइनर इस्तेमाल किए जा रहे हैं। उन्होंने उड़ान सुरक्षा के लिए अपनी प्रतिबद्धता को भी दोहराया।

भाजपा सांसद जगदंबिका पाल ने कहा कि एअरलाइनों ने हवाई टिकटों की बढ़ती कीमतों पर चिंताओं को दूर करने का आश्वासन दिया है। बैठक में हमने बौद्ध सर्किट के बारे में बात की। बौद्ध धर्म में बहुत महत्वपूर्ण स्थान हैं। बौद्ध धर्म के लिए महत्वपूर्ण सभी देश और स्थान आपस में जुड़ेंगे। हवाई सुरक्षा सबसे अधिक चर्चा का मुद्दा रहा।

कांग्रेस सांसद और लोक लेखा समिति के अध्यक्ष केसी वेणुगोपाल ने बताया कि समिति ने एअरलाइनों से किराये पर स्पष्ट नियम बनाने को कहा है। उन्होंने कहा, 'हर कोई सुरक्षा को लेकर चिंतित है। हम हवाई किराये में वृद्धि पर भी चर्चा कर रहे हैं, खासकर पहलगाम के बाद और कुंभ के दौरान।'

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

THE TIMES OF INDIA DELHI 9 JULY 2025

India likely to make preliminary AI 171 crash report public

Keenly Watched As It's 1st Major B787 Accident

Manju.V@timesofindia.com

Mumbai: As the 30-day limit to submit the report of the preliminary investigation into the June 12 Air India accident in Ahmedabad to International Civil Aviation Organisation (ICAO) ends this week, there is anticipation India will release it to the public.

▶Tech glitch prompts emergency landing, P 11

The ICAO places no obligation on an investigating country to make the report public, and India had not released the preliminary report of the last major accident at Calicut in 2020. But the AI 171 probe is being followed by the global airline industry with keen interest as it was the first major one involving a Boeing 787.

'20 REPORT WITHHELD

- India **did not release the 2020 Calicut AI crash report**
- **Might go the other way this time since it's the first probe of the 'more electric' B787s**
- If substantial and critical, **the findings could reshape Boeing 787 global operations,** says a senior commander

"Apart from the roles and responsibilities of Air India, DGCA and others, the investigation will crucially be a Boeing 787 systems-level case study. It's the first such global investigation of the 'more electric' B787 aircraft. The preliminary findings, if substantial and critical, could reshape B787 operations," said a senior commander, requesting anonymity. "What we hear is that India will make the preliminary report public this time," he added.

▶Lion Air crash, P 24

2018 Indonesian Lion Air crash was last one tracked this closely

▶Continued from P 1

Prior to the June 12 accident, the last major fatal accident India investigated was the Aug 2020 Calicut Air India Express accident involving a Boeing 737 and 21 deaths. Back then, the Aircraft Accident Investigation Bureau (AAIB) did not release its preliminary report to the public.

Since an aircraft accident investigation is solely carried out to learn lessons and prevent a repeat — unlike a murder investigation, it does not apportion blame or trace culprits — most countries release their preliminary findings to the public.

The last time the global aviation industry tracked an accident investigation closely was in 2018 after the Oct 29 Indonesian Lion Air Boeing 737 MAX crash. Keeping with the 30-day deadline, on Nov 28, Indonesia's National Transportation Safety Committee sent a preliminary report to ICAO and also publicly released it. In fact, it announced in advance that the preliminary report would be uploaded on its website at 10 am on Nov 28.

PLANE TRUTHS

"The preliminary investigation following Lion Air Flight 610 revealed that prior to the crash, a system called Manoeuvring Characteristics Augmentation System or MCAS engaged without the Lion Air pilots' knowledge. Back then, Boeing hadn't disclosed MCAS to any airlines or pilots. The MCAS lowers the nose automatically to prevent a stall, or the loss of lift, if it detects that the angle of the plane's nose is too high relative to the ground. What we learnt from the preliminary report is that a malfunctioning sensor may have led the MCAS to engage repeatedly, countering the pilots' manoeuvres," said a B737 examiner. "When Ethiopian Airlines B737 MAX crashed five months later, it was the Lion Air preliminary report that came back into focus. The final report into the Lion Air crash came a year later; by then, the B737 MAX was already grounded globally," he added.

"If Air India accident preliminary report points to any possible warning or technical fault in the B787, you can imagine the impact it would have on Dreamliner operations globally," the examiner said.

Of all the accident investigations carried out by India in the past decades, this one is arguably the most followed investigation globally. The AAIB can submit the preliminary report to the ministry of civil aviation if it chooses. Under Annex 13 of ICAO, which lays down the guidelines for carrying out an accident investigation, the preliminary report has to be submitted by the state (India, in this case) to ICAO within 30 days of the occurrence.

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

THE TIMES OF INDIA DELHI 9 JULY 2025

Tech glitch prompts IndiGo emergency landing in Indore

Indore: Barely 15 minutes into take-off, an IndiGo Indore-Raipur flight with 51 passengers made an emergency landing in Indore due to a technical fault. The flight was cancelled after all flyers disembarked safely.

Passengers recalled feeling a sudden jolt while the plane was airborne, shortly after which, the pilot announced the emergency landing.

"The aircraft took off for Raipur at 6.35am Tuesday. During the flight, the pilot received a false alarm. After this, the flight safely landed back at Indore at 6.50am," Indore airport senior manager (operations) Amol Thakur said. TNN

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

THE TIMES OF INDIA BANGALORE 8 JULY 2025

Half way in journey to become a global airline by '30: Indigo CEO

Saurabh.Sinha
@timesofindia.com

Amsterdam: "I know the opportunity is huge. The only thing I don't know is how huge." This is what IndiGo co-founder Rahul Bhatia had three years back told **Pieter Elbers**, then KLM president. That was the time the domestic market leader had set its sight on spreading its wings in the international skies.

Last week, IndiGo started its first flights to the UK and Europe using wet leased (hired with pilots) wide body planes and will now grow its long hauls aggressively. After Jet Airways' collapse in April 2019, Air India was the only Indian carrier for nonstops across the world.

"You find Indian travellers all over the world. But for a very long time, (a vast majority of them) have been deprived of the opportunity to fly an Indian operator," Elbers, who joined IndiGo as CEO in Sept 2022, told **TOI** after the inaugural Mumbai-Amsterdam flight touched down in his home country. In

the last 2.5 years, Bhatia and Elbers have been executing a strategy to change this. Asked where the airline is in its plan to become a global airline by 2030, he said, "We're half way through."

The post-Covid travel boom made desi carriers realise they needed to get a bigger slice of the international travel pie to and from India. This was enabled by the mega Tata Group acquiring Air India & AI Express in Jan 2022 and well-capitalised IndiGo deciding to replicate its domestic success in international skies along with a big boost in the country's airport infra. "The fact that we are touching down now in Europe is the start of a very new chapter in the book of IndiGo. When IndiGo started in Aug 2006, Rahul Bhatia had a certain vision and he created that (making IndiGo India's biggest domestic airline)," Elbers said. Three years back when he met Elbers, Bhatia started making moves to replicate IndiGo's domestic success in the international market too.

"What we see now is a bit similar to what we had seen then (2006). All the things we have been doing (since 2022) were building blocks to making IndiGo a global airline." These "building blocks" include starting Stretch (or business) on some domestic flights since last Nov as "we have some experience in serving (premium) customers when we go to Europe," he said.

IndiGo currently has one wet leased Boeing 787 from Norse Atlantic which is being used on the Mumbai - Amsterdam and Manchester routes. It will get three more B787s this calendar year and then two early in 2026.

The correspondent was in Amsterdam at the invitation of IndiGO

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

THE TIMES OF INDIA HYDERABAD 8 JULY 2025

Bomb threat on tissue found on flight from Hyd

TIMES NEWS NETWORK

Mohali: A bomb threat on board an Indigo flight from Hyderabad triggered panic at Mohali airport on Monday.

The threat, scribbled on a tissue paper, read 'Bomb Inside', and was found by cleaning staff inside the aircraft's restroom after flight 6E-108 had landed and passengers disembarked.

The flight took off from Hyderabad at 9:45am and landed safely at Mohali's Shaheed Bhagat Singh International Airport at 11:50am. It carried five crew members, including two pilots, and 220 passengers.

As soon as the cleaning crew raised the alarm, airport police station was informed and a bomb disposal team was called in. A thorough search of the aircraft was conducted and no suspicious object was found.

The flight was supposed to depart for Delhi (6E2195) at 12:45pm but took off around 1:40 pm, said airport sources.

Airport DSP Amarpreet Singh said a case has been registered against unknown individuals. "We are working to identify the person responsible for this," he said.

Police have contacted Hyderabad airport to obtain the full passenger list and boarding passes for the flight. CCTV footage from Mohali airport is being scrutinised to trace passengers who disembarked from the flight.

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

THE TIMES OF INDIA MUMBAI 8 JULY 2025

Bees delay flight take-off in Surat by 50 minutes

Surat: A swarm of bees that decided to cluster on a Surat-Jaipur IndiGo flight, scheduled to depart at 4.40pm on Monday, delayed it by at least 50 minutes on Monday, repoprts **Yagnesh Mehta**.

The airline staff loading luggage on the flight first noticed the bees buzzing together on one side of the aircraft's cargo compartment shutter, and quickly alerted the airline and airport staff.

"We informed the airport's fire team. They used a jet of water from a fire tender to remove the bees from the open shutter," an airport official said. Even for the fire team this was their first such encounter, the official said. No passenger or worker was injured in the incident.

"We are unsure where the bees came from," an airline official said.